हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए दिशानिर्देश

(चार भाषाओं में नामतः हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत एवम् पंजाबी)

GUIDELINES FOR IMPLEMENTING THE RECOMMENDATIONS OF NATIONAL EDUCATION POLICY-2020 IN CENTRAL UNIVERSITY OF HIMACHAL PRADESH

(IN FOUR LANGUAGES viz. HINDI, ENGLISH, SANSKRIT & PUNJABI)

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला (हि.प्र.)

CENTRAL UNIVERSITY OF HIMACHAL PRADESH, DHARAMSHALA (H.P.)

2021

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
धर्मशाला – 176215 (हि.प्र.)

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय

में

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020

की संस्तुतियों को लागू करने के लिए

दिशानिर्देश

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 29वीं बैठक एवं कार्यकारिणी परिषद की 52वीं बैठक में अनुमोदित ।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020
के दिशानिर्देशों को तैयार करने संबंधी समिति
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
धर्मशाला (हि.प्र.)

क्रम सं.	नाम एवं पदनाम	
1.	**प्रो. सत प्रकाश बंसल** **माननीय कुलपति**	**संरक्षक**
2.	प्रो. मनोज कुमार सक्सेना, प्रोफेसर, शिक्षा संकाय	अध्यक्ष
3.	प्रो. भाग चंद चौहान, प्रोफेसर, भौतिक और पदार्थ विज्ञान संकाय	उपाध्यक्ष
4*.	प्रो. मोहिंदर सिंह, अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन अध्ययन संकाय	सदस्य
5.	प्रो. दीपक पंत, अधिष्ठाता, पृथ्वी एवं पर्यावरण विज्ञान संकाय	सदस्य
6.	प्रो विशाल सूद, अधिष्ठाता, शिक्षा संकाय	सदस्य
7.	डॉ. कंवर चंदरदीप सिंह, अधिष्ठाता, मानविकी संकाय	सदस्य
8.	प्रो. प्रदीप नायर, अधिष्ठाता, पत्रकारिता, जनसंचार और नव मीडिया संकाय	सदस्य
9.	डॉ. बृहस्पति मिश्रा, अधिष्ठाता, भाषा संकाय	सदस्य
10.	प्रो. प्रदीप कुमार, अधिष्ठाता, जैविक विज्ञान संकाय	सदस्य
11.	प्रो. राकेश कुमार, अधिष्ठाता, गणित, कंप्यूटर एवं सूचना विज्ञान संकाय	सदस्य
12.	डॉ. जगमीत बावा, अधिष्ठाता, अभिनय कला एवं दृश्य कला संकाय	सदस्य
13.	प्रो. होम चंद, अधिष्ठाता, भौतिक और पदार्थ विज्ञान संकाय	सदस्य
14.	प्रो. नारायण सिंह राव, अधिष्ठाता, समाज विज्ञान संकाय	सदस्य
15.	डॉ. सुमन शर्मा, अधिष्ठाता, पर्यटन, यात्रा एवं आतिथ्य प्रबंधन संकाय	सदस्य
16.	डॉ. ओम प्रकाश प्रजापति, सहायक प्रोफेसर, हिंदी विभाग	सदस्य
17.	डॉ. राकेश कुमार, सहायक प्रोफेसर, जंतु विज्ञान विभाग	सदस्य सचिव

** अधिष्ठाताओं के नाम उनके संकाय के अंग्रेजी में नाम के वर्णक्रम में दिए गए हैं।*

हिंदी में अनुवाद : *डॉ. बृहस्पति मिश्र एवं श्री संजय कुमार सिंह, राजभाषा अनुभाग, हि.प्र.के.वि.*

संस्कृत में अनुवाद : *डॉ. बृहस्पति मिश्र, डॉ. कुलदीप कुमार, डॉ. वी. सुब्रमण्यम, डॉ. रणजीत कुमार, डॉ. विवेक शर्मा, डॉ. भजहरि दास एवं श्रीमती अर्चना, संस्कृत, पाली तथा प्राकृत विभाग, हि.प्र.के.वि.*

पंजाबी में अनुवाद : *डॉ. नरेश कुमार एवं डॉ. हरजिंदर सिंह, हि.प्र.के.वि.*

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 29वीं बैठक एवं कार्यकारिणी परिषद की 52वीं बैठक में अनुमोदित।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है।

- हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय एक शोध-प्रधान विश्वविद्यालय होगा, जिसमें विभिन्न विषयों में प्रगत अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।
- स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम शोध/प्रवीण (ऑनर्स) सहित 4 वर्षों का होगा।
- विश्वविद्यालय के स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम में नवीन प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2021-22 से विभिन्न चरणों में बहुविध प्रवेश एवं बहिर्गमन प्रणाली लागू की जाएगी।
- उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रस्तावित शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए 'बहुविध प्रवेश एवं बहिर्गमन संबंधी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग दिशानिर्देश' के अनुसार, शोध/प्रवीण (ऑनर्स) सहित स्नातक उपाधि (डिग्री) पढ़ने और पूरा करने हेतु स्नातक कार्यक्रम के चौथे वर्ष में पढ़ाई के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को अनुमति दी जाएगी, जिन्होंने तीन वर्षीय स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम की अपेक्षाओं को पूरा करने के बाद न्यूनतम 7.5 संचयी श्रेणी अंक औसत (सीजीपीए) प्राप्त किया हो ।
- इन विद्यार्थियों को शोध सहित उपाधि (डिग्री) अथवा उपाधि (प्रवीण/ऑनर्स) के लिए पढ़ने का विकल्प होगा। छठे सत्र के सफलतापूर्वक समापन के बाद उन्हें शोध सहित उपाधि (डिग्री) अथवा उपाधि (प्रवीण/ऑनर्स) को चुनना होगा।
- वैसे विद्यार्थियों जिन्हें छठे सत्र तक 7.5 संचयी श्रेणी अंक औसत (सीजीपीए) प्राप्त नहीं है, उन्हें स्नातक उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी और उन्हें छठे सत्र को पूरा करने के बाद स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम छोड़ना होगा।
- विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की संस्तुतियों के अनुरूप शैक्षणिक वर्ष 2021 – 2022 से 4 वर्षीय स्नातक उपाधि (डिग्री) एवं 2 वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) कार्यक्रमों तथा शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से 01 वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को प्रस्तावित करेगा ।
- शोध / प्रवीण (ऑनर्स) सहित स्नातक उपाधि की पहली खेप 2024-25 में उत्तीर्ण होने की प्रत्याशा है । इसलिए, 02 वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम जारी रहेगा और 2025-26 से एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रारंभ होगा । 2025-26 सत्र से दोनों अर्थात एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम और दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को प्रस्तावित किया जाएगा ।
- राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ तालमेल के लिए विश्वविद्यालय दिनांक 29 जुलाई, 2021 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी बहुविध प्रवेश एवं बहिर्गमन संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करेगा।
- प्रत्येक सत्र में कुल श्रेयांकों की संख्या अधिकतम 20 होगी और इसका सख्ती से पालन किया जाएगा। प्रथम, तृतीय एवं छठे सत्रों के विद्यार्थियों को दो श्रेयांकों के अंतर-विषयी पाठ्यक्रमों का

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

अनिवार्य रूप से चयन करना होगा । ये पाठ्यक्रम, उन पाठ्यक्रमों से भिन्न होने चाहिए, जिसमें वह नामांकित है ।

- स्नातक स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS), व्यावसायिक (वोकेशनल)/कौशल पाठ्यक्रमों, स्वच्छ भारत प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप), सामुदायिक सम्बद्धता, लोक विद्या, योग, भारतीय भाषाएं, सांस्कृतिक विनिमय अर्थात राष्ट्रीय एकीकरण, पर्यावरणीय अध्ययन और जीवन कौशल आदि का एक बड़ा घटक प्रस्तावित किया जाएगा।
- विभिन्न चरणों में बहुविध प्रवेश एवं बहिर्गमन प्रणाली को लागू करने के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करने, योग्यता और कौशल को बढ़ाने तथा विद्यार्थियों में पर्यावरण आदि के प्रति संवेदनशीलता के लिए स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम के समस्त वर्तमान पाठ्यक्रम पाठ्यचर्या में परिवर्तन की आवश्यकता है।
- स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रमों में सभी पाठ्यक्रमों को अनिवार्य तौर पर मिश्रित तरीके अर्थात 90% प्रत्यक्ष एवं 10% आभासीय माध्यम से पढ़ाया जाएगा।
- विभाग स्तरीय कार्यदल पढ़ाए जाने वाले अध्ययन कार्यक्रमों की संपूर्ण संरचना विकसित करेगा। कार्यदल विभाग के सभी शिक्षकों की सहायता से आवश्यकता के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों के पाठ्य विवरण (सिलेबस) तैयार करेगा।
- विश्वविद्यालय स्तर पर तैयार किए जाने वाले सभी पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक विभाग द्वारा अपने विभाग से संबंधित कूट (Codes) का निर्धारण किया जाएगा। इन सभी पाठ्यक्रमों को संबंधित पाठ्य समितियों में विचार-विमर्श एवं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।
- वोकेशनल पाठ्यक्रमों के लिए विभाग / केंद्र द्वारा पाठ्यक्रमों की एक सूची प्रस्तावित की जाएगी, जहाँ से विद्यार्थियों द्वारा अपनी पसंद के अनुसार पाठ्यक्रम का चयन किया जाएगा । व्यावसायिक (वोकेशनल)/कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को इस प्रकार से तैयार किया जाना चाहिए कि पाठ्यक्रम समाप्त होने तक विद्यार्थी अपने संबंधित क्षेत्र में पर्याप्त कौशल विकसित कर सकें। कौशल मूल्यांकन 'कौशल मूल्यांकन मंडल' द्वारा किया जाएगा, जिसका गठन माननीय कुलपति द्वारा किया जाएगा।
- **भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS)** के दो पाठ्यक्रमों को क्रमशः प्रथम सत्र और छठे सत्र में प्रारंभ किया जाएगा। प्रथम सत्र में विश्वविद्यालय के सभी स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रमों के लिए यह पाठ्यक्रम एकसमान होगा। यह पाठ्यक्रम 04 श्रेयांकों का होगा। इस पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक समिति गठित की जाएगी। संबंधित विभाग के शिक्षक (शिक्षकों) द्वारा यह पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा ।
- छठे सत्र हेतु प्रस्तावित भारतीय ज्ञान प्रणाली पर दूसरे पाठ्यक्रम (विषय-विशेष भारतीय ज्ञान प्रणाली) को संबंधित विभागों द्वारा तैयार किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम 02 श्रेयांकों का होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) के अंतर्गत योग अध्ययन पर 02 श्रेयांकों का एक और पाठ्यक्रम इसी सत्र में पढ़ाया जाएगा। इस पाठ्यक्रम को माननीय कुलपति महोदय द्वारा गठित समिति द्वारा तैयार किया जाएगा।

- विश्वविद्यालय के सभी विभागों/केंद्रों के स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रमों में स्वच्छ भारत प्रशिक्षुता (SBI) पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाएगा। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए संवेदीकरण, जागरूकता कार्यक्रम, नुक्कड़ नाटक, आमंत्रित व्याख्यान आदि आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में दिशानिर्देश और पाठ्य सामग्री तैयार करने के लिए माननीय कुलपति द्वारा एक समिति गठित की जाएगी।
- विश्वविद्यालय में स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रमों के लिए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के अनुरूप *(निधियों और संसाधनों की उपलब्धता के अधीन)* प्रारंभ किया जाना चाहिए। प्रत्येक विभाग के विद्यार्थी देश के विभिन्न भागों में जाएंगे, जिससे कि उनमें जागरूकता आए और उनमें देश के उस भाग विशेष की संस्कृति की समझ विकसित हो। देश के उस भाग से प्रमुख स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों और अन्य विशेषज्ञों को राष्ट्रीय एकीकरण, स्थानीय प्रथाओं, रीति-रिवाजों, परंपराओं पर पारस्परिक विचार-विमर्श के लिए बुलाया जाएगा। विद्यार्थियों को देश के विभिन्न भागों की संस्कृति और रीति-रिवाजों से परिचित करवाया जाएगा। सांस्कृतिक विनिमय के उपर्युक्त क्रियाकलापों के अतिरिक्त, विद्यार्थियों को देश के विभिन्न भागों के लोगों के मज़हब, संस्कृति, खान-पान, परंपराओं, जीवन शैलियों, सामाजिक रीति-रिवाजों, भौगोलिक तथा राजनीतिक नक्शों, सेना और सीमावर्ती लोगों आदि के जीवन के बारे में अवगत कराया जाना चाहिए। इस संबंध में दिशानिर्देश और पाठ्य सामग्री तैयार करने के लिए माननीय कुलपति द्वारा एक समिति गठित की जाएगी।
- सामुदायिक सम्बद्धता पाठ्यक्रमों अर्थात विद्यार्थियों के लिए तृतीय सत्र में सामुदायिक सेवाओं, जागरूकता सृजन और जीवन कौशल के लिए 04 श्रेयांकों तथा पांचवें सत्र में लोक विद्या के 02 श्रेयांकों के पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे। वे गांवों में जाकर समुदाय के साथ काम करेंगे, जिससे कि विद्यार्थियों के जीवन कौशल और लोगों की सेवा करने की गुणवत्ता में सुधार होगा। इससे विभिन्न मुद्दों यथा, साफ-सफाई, स्वास्थ्य, अंकीय साक्षरता, वित्तीय साक्षरता, सरकार की जनकल्याण योजनाएं इत्यादि के बारे में जागरूकता आएगी। इस संबंध में दिशानिर्देश और पाठ्य सामग्री तैयार करने के लिए माननीय कुलपति द्वारा एक समिति गठित की जाएगी।
- विश्वविद्यालय के शाहपुर परिसर स्थित विद्यार्थी 'सामुदायिक सम्बद्धता पाठ्यक्रम' के लिए उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा अंगीकृत गांवों में जाएंगे।
- धर्मशाला और देहरा परिसरों के विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान कार्यक्रम के अंतर्गत धर्मशाला और देहरा प्रत्येक में दो-दो गांवों को अंगीकृत किया जाना चाहिए। इससे इन परिसरों के विद्यार्थी 'सामुदायिक सम्बद्धता पाठ्यक्रम' के लिए इन गांवों में जा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

सकेंगे। यदि आवश्यकता हुई तो संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा उनकी अपनी अपेक्षाओं के अनुसार 'सामुदायिक सम्बद्धता कार्यक्रम' के लिए अन्य गांवों/क्षेत्रों का चयन किया जाएगा।

- सभी स्नातक उपाधि (डिग्री) अध्ययन कार्यक्रमों में पर्यावरणीय अध्ययन पाठ्यक्रम प्रारंभ किया जाना चाहिए। इसकी पाठ्य संरचना विश्वविद्यालय स्तर पर विकसित की जाएगी। इस उद्देश्यार्थ माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक समिति गठित की जाएगी।
- भारतीय भाषाओं के पाठ्यक्रमों को भाषा संकाय द्वारा प्रत्यक्ष अथवा आभासीय माध्यम से संकाय की व्यवहार्यता के अनुसार प्रस्तावित किया जाएगा।
- प्रत्येक सत्र में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों की 10% पाठ्य सामग्री संबंधित शिक्षक द्वारा आभासीय माध्यम से पढ़ाई जानी चाहिए ।
- शिक्षकों द्वारा अपने कक्षा शिक्षण के दौरान संकर अधिगम निदर्श (Hybrid Learning Model) को अपनाया जाएगा ताकि दूरस्थ स्थानों पर स्थित विद्यार्थी भी उसी वास्तविक समय कक्षा में उपस्थित हो सकें।
- विश्वविद्यालय के विभागों/केंद्रों द्वारा प्रत्येक सत्र में कम से कम एक पाठ्यक्रम 'मुक्त शैक्षिक संसाधन' (OER) के तौर पर विकसित किया जाना चाहिए, जिसमें परिचयात्मक वीडियो, पीपीटी और/अथवा पीडीएफ रूप में पाठ्य सामग्री, प्रश्नोत्तरी और दत्त-कार्य (assignments) शामिल होने चाहिए। इससे अनुवर्ती अधिगम (फ्लिप्ड लर्निंग) को भी बढ़ावा मिलेगा।
- *संकर अधिगम निदर्श (Hybrid Learning Model) और मुक्त शैक्षिक संसाधन (OER) के तौर पर विकसित पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (रा.मू.प्र.प) उद्देश्य हेतु भी विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं के तौर पर दर्शाया जा सकता है।*
- विश्वविद्यालय के सभी विभाग/केंद्र प्रत्येक सत्र में विषय-विशिष्ट पाठ्यक्रमों के अलावा 20 श्रेयांकों के **मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (VAC)** प्रस्तावित करेंगे। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम को विभाग द्वारा स्वतंत्र तौर पर या अन्य विभाग/केंद्र के साथ मिलकर प्रस्तावित किया जा सकता है । इन पाठ्यक्रमों को एक मिश्रित रीति (Blended mode) से प्रस्तावित किया जाएगा । इसके अंतर्गत कोई भी जिसने किसी भी विषय में 12वीं कक्षा सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद न्यूनतम 'विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र' (SLC) प्राप्त किया है, उसे नामांकित किया जा सकता है। यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध होगा, जो हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में अपनी स्नातक उपाधि (डिग्री) / स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) की पढ़ाई कर रहे हैं। इस नामांकन हेतु विद्यार्थी को शुल्क का भुगतान करना होगा, जिसका निर्णय विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम की कार्य-रीतियों का भी निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थी को मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम में नामांकन की तिथि से 3(तीन) वर्षों के अंदर इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने का विकल्प होगा । उक्त मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

बाद विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को 'प्रमाण पत्र' प्रदान किया जाएगा। यह 'प्रमाण पत्र' (तीन माह के लिए) 10 श्रेयांकों अथवा (छह माह के लिए) 20 श्रेयांकों का होगा, जिन्हें निर्धारित अवधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित किया जाना है । किसी एक विभाग/केंद्र द्वारा प्रस्तावित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को अन्य विभागों के विद्यार्थियों के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के रूप में माना जाएगा।

- 4/2 श्रेयांकों के अंतर-विषयक मुख्य एवं लघु पाठ्यक्रमों की सूची विश्वविद्यालय स्तर पर तैयार की जाएगी । इसके लिए विभागों / केंद्रों द्वारा अपने-अपने पाठ्यक्रम की सूची प्रदान की जाएगी, जिन्हें संयोजित कर विश्वविद्यालय स्तरीय सूची तैयार की जाएगी । विद्यार्थियों को इस सूची से अपनी पसंद का कम से कम एक पाठ्यक्रम का चयन करना होगा । इन पाठ्यक्रमों के लिए संकर अधिगम निदर्श (आभासीय तथा/अथवा प्रत्यक्ष) का उपयोग किया जाएगा। इन पाठ्यक्रमों के लिए समयावधि पूर्वाह्न 09.30 से 10.30 बजे तथा अपराह्न 01.30 से 02.30 बजे होगी । ऐसे सभी पाठ्यक्रमों के लिए प्रत्येक पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों की अधिकतम संख्या 'पहले आओ, पहले पाओ' के आधार पर 40 होगी । विद्यार्थियों से अन्य विषयों से संबंधित कम से कम एक अंतर-विषयक मुख्य/लघु पाठ्यक्रम अनिवार्य रूप से चयनित करने की अपेक्षा की जाती है ।
- 4/2 श्रेयांकों के विषयक मुख्य एवं लघु पाठ्यक्रमों के लिए विभागों/केंद्रों द्वारा पाठ्यक्रम की सूची प्रदान की जाएगी । विद्यार्थियों को इस सूची से अपनी पसंद के पाठ्यक्रम का चयन करना होगा ।
- किसी अध्ययन कार्यक्रम के कुल पाठ्यक्रमों में 50% से 60% तक सिद्धांत (थ्योरी) और 40% से 50% तक प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) की भारिता होगी।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 29वीं बैठक एवं कार्यकारिणी परिषद की 52वीं बैठक में अनुमोदित ।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

विद्यार्थियों को बहुविध प्रवेश-बहिर्गमन का विकल्प निम्नानुसार उपलब्ध होगा:

स्नातक कार्यक्रमों के लिए

[शोध/प्रवीण(ऑनर्स) सहित 4 वर्ष]

क्रम सं.	प्रवेश सत्र	बहिर्गमन सत्र	शर्तें	प्रमाण पत्र / अनुधि (डिप्लोमा) / उपाधि (डिग्री) - शोध/प्रवीण सहित उपाधि (डिग्री)
1.	1ला	2रा	अभ्यर्थी को 1ले से 2रे सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	प्रमाण पत्र
2.	1ला	4था	अभ्यर्थी को 1ले से 4थे सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	अनुधि (डिप्लोमा)
3.	1ला	6ठा	अभ्यर्थी को 1ले से 6ठे सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	उपाधि (डिग्री)
4.	1ला	8वां	अभ्यर्थी को 1ले से 8वें सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	शोध/प्रवीण (ऑनर्स) सहित उपाधि (डिग्री)
5.	3रा	4था	अभ्यर्थी को 1ले से 4थे सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	अनुधि (डिप्लोमा)
6.	3रा	6ठा	अभ्यर्थी को 1ले से 6ठे सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	उपाधि (डिग्री)
7.	3रा	8वां	अभ्यर्थी को 1ले से 8वें सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	शोध/प्रवीण (ऑनर्स) सहित उपाधि (डिग्री)
8.	5 वां	6ठा	अभ्यर्थी को 1ले से 6ठे सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	उपाधि (डिग्री)
9.	5 वां	8वां	अभ्यर्थी को 1ले से 8वें सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	शोध/प्रवीण (ऑनर्स) सहित उपाधि (डिग्री)
10.	7वां	8वां	अभ्यर्थी को 1ले से 8वें सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	शोध/प्रवीण (ऑनर्स) सहित उपाधि (डिग्री)

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 29वीं बैठक एवं कार्यकारिणी परिषद की 52वीं बैठक में अनुमोदित ।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

शोध सहित स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम (4 वर्षीय कार्यक्रम)

सत्र	विषयक/ अंतर-विषयक: मुख्य पाठ्यक्रम	विषयक/ अंतर-विषयक: लघु पाठ्यक्रम	व्यावसायिक/ कौशल	भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS)	शोध का प्रगत (अडवांस्ड) ज्ञान	प्रयोगशाला/ क्षेत्र कार्य	स्वच्छ भारत प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप)	सांस्कृतिक विनिमय *(राष्ट्रीय एकीकरण)*	सामुदायिक सम्बद्धता	पर्यावरणीय अध्ययन	भारतीय भाषाएं	विषय प्रशिक्षुता / नवोन्मेष	रचना/ शोध प्रस्ताव की समीक्षा	शोध कार्य	कुल
1ला	08	04	02	04	0	02	0	0	0	0	0	0	0	0	**20**
2रा	08	04	04	0	0	02	0	0	0	0	02	0	0	0	**20**
3रा	08	04	02	0	0	02	0	0	04 *(सामुदायिक सेवाएं, जागरूकता सृजन, जीवन कौशल)*	0	0	0	0	0	**20**
4था	08	04	02	0	0	0	02	0	0	04	0	0	0	0	**20**
5 वां	08	02	02	0	0	02	0	0	02 *(लोक विद्या)*	0	0	04	0	0	**20**
6ठा	08	04	0	02 *(विषय विशेष भारतीय ज्ञान प्रणाली)* 02 *(योग अध्ययन)*	0	0	0	04	0	0	0	0	0	0	**20**
7वां	04	0	0	0	08	0	0	0	0	0	0	0	04#	04+	**20**
8वां	04	0	0	0	08	0	0	0	0	0	0	0	0	08*	**20**
कुल	**56**	**22**	**12**	**08**	**16**	**08**	**02**	**04**	**06**	**04**	**02**	**04**	**04**	**12**	**160**

++ *राष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र प्रकाशन/सेमिनार-सम्मेलन प्रस्तुतीकरण (प्रैक्टिकल)*

* *08 श्रेयांक में से शोध-निबंध के लिए 04 श्रेयांक तथा प्रस्तुतीकरण एवं मौखिक परीक्षा के लिए 04 श्रेयांक*

\# *50% सिद्धांत (थ्योरी) और 50% प्रायोगिक (प्रैक्टिकल)*

ये एक व्यापक दिशानिर्देश हैं; तथापि, विभाग/केंद्र संपूर्ण योजना के दायरे के अंतर्गत, श्रेयांकों को बिना परिवर्तित किए अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार परिवर्तन कर सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 29वीं बैठक एवं कार्यकारिणी परिषद की 52वीं बैठक में अनुमोदित ।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

प्रवीण (ऑनर्स) सहित स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम (4 वर्षीय कार्यक्रम)

सत्र	विषयक/ अंतर विषयक: मुख्य पाठ्यक्रम	विषयक/ अंतर विषयक: लघु पाठ्यक्रम	व्यावसायिक/ कौशल	भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS)	शोध का प्रगत ज्ञान	प्रयोगशाला / क्षेत्र कार्य	स्वच्छ भारत प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप)	सांस्कृतिक विनिमय *(राष्ट्रीय एकता)*	सामुदायिक सम्बद्धता	पर्यावरणीय अध्ययन	भारतीय भाषाएं	विषय प्रशिक्षुता / नवोन्मेष	कुल
1ला	08	04	02	04	0	02	0	0	0	0	0	0	**20**
2रा	08	04	04	0	0	02	0	0	0	0	02	0	**20**
3रा	08	04	02	0	0	02	0	0	04 *(सामुदायिक सेवाएं, जागरूकता सृजन, जीवन कौशल)*	0	0	0	**20**
4था	08	04	02	0	0	0	02	0	0	04	0	0	**20**
5वां	08	02	02	0	0	02	0	0	02 *(लोक विद्या)*	0	00	04	**20**
6ठा	08	04	0	02 *(विषय विशेष भारतीय ज्ञान प्रणाली)* 02 *(योग अध्ययन)*	0	0	0	04	0	0	0	0	**20**
7वां	04	04	0	0	10*	02	0	0	0	0	0	0	**20**
8वां	04	02	0	0	08*	02	0	0	0	0	0	04	**20**
कुल	**56**	**28**	**12**	**08**	**18**	**12**	**02**	**04**	**06**	**04**	**02**	**08**	**160**

** 50% सिद्धांत (थ्योरी) और 50% प्रायोगिक (प्रैक्टिकल)*

ये एक व्यापक दिशानिर्देश हैं; तथापि, विभाग/केंद्र संपूर्ण योजना के दायरे के अंतर्गत, श्रेयांकों को बिना परिवर्तित किए अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार परिवर्तन कर सकते हैं।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 29वीं बैठक एवं कार्यकारिणी परिषद की 52वीं बैठक में अनुमोदित ।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

01 वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

पात्रता : 04 वर्षीय स्नातक उपाधि कार्यक्रम

- इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के प्रवेश की पात्रता शोध / प्रवीण (ऑनर्स) सहित स्नातक होगी ।
- विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 की संस्तुतियों के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2025-2026 से 01 वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रस्तावित करेगा ।
- शोध / प्रवीण (ऑनर्स) सहित स्नातक उपाधि की पहली खेप 2024-25 में उत्तीर्ण होने की प्रत्याशा है । इसलिए, 02 वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम जारी रहेगा और 2025-26 से एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रारंभ होगा । 2025-26 सत्र से दोनों अर्थात एक वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम और दो वर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रमों को प्रस्तावित किया जाएगा ।
- *एक वर्ष की अवधि होने के कारण इस कार्यक्रम में बहुविध प्रवेश एवं बहिर्गमन का विकल्प उपलब्ध नहीं होगा ।*

2 वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम

पात्रता : 3 वर्षीय स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम

- 3 (तीन) वर्षीय स्नातक उपाधि (डिग्री) धारक विद्यार्थी इस अध्ययन कार्यक्रम में प्रवेश के पात्र होंगे।
- विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2021-2022 से राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की संस्तुतियों के अनुरूप दो वर्षीय स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम प्रस्तावित करेगा।
- राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों के साथ तालमेल के लिए विश्वविद्यालय दिनांक 29 जुलाई, 2021 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा जारी बहुविध प्रवेश एवं बहिर्गमन संबंधी दिशानिर्देशों का पालन करेगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

- प्रत्येक सत्र में कुल श्रेयांकों की संख्या अधिकतम 20 होगी और इसका सख्ती से पालन किया जाएगा। प्रथम और द्वितीय सत्रों के विद्यार्थियों को दो श्रेयांकों के अंतर-विषयी पाठ्यक्रमों का अनिवार्य रूप से चयन करना होगा । ये पाठ्यक्रम, उन पाठ्यक्रमों से भिन्न होने चाहिए, जिसमें वह नामांकित है ।
- स्नातकोत्तर स्तर पर भारतीय ज्ञान प्रणाली और व्यावसायिक (वोकेशनल)/कौशल पाठ्यक्रमों का एक बड़ा घटक प्रस्तावित किया जाएगा।
- स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) कार्यक्रमों में सभी पाठ्यक्रमों को अनिवार्य तौर पर मिश्रित तरीके अर्थात 90% प्रत्यक्ष एवं 10% आभासीय माध्यम से पढ़ाया जाएगा।
- विभाग स्तरीय कार्यदल द्वारा पढ़ाए जाने वाले कार्यक्रमों की संपूर्ण संरचना विकसित की जाएगी। यह कार्यदल विभाग के सभी शिक्षकों की सहायता से आवश्यकता के अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों के पाठ्यविवरण (सिलेबस) तैयार करेगा।
- व्यावसायिक (वोकेशनल)/कौशल आधारित पाठ्यक्रमों के लिए विभाग/केंद्र द्वारा प्रथम और द्वितीय सत्र में पाठ्यक्रमों की एक सूची प्रस्तुत की जाएगी, जिसमें से विद्यार्थियों द्वारा अपनी पसंद के पाठ्यक्रमों का चयन किया जा सकेगा । व्यावसायिक (वोकेशनल) / कौशल आधारित पाठ्यक्रमों को इस प्रकार से तैयार किया जाना चाहिए कि पाठ्यक्रम समाप्त होने तक विद्यार्थी अपने संबंधित क्षेत्र में पर्याप्त कौशल विकसित कर सकें। कौशल मूल्यांकन 'कौशल मूल्यांकन मंडल' द्वारा किया जाएगा, जिसका गठन माननीय कुलपति द्वारा किया जाएगा।
- भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) के दो पाठ्यक्रमों को क्रमशः प्रथम सत्र और द्वितीय सत्र में प्रारंभ किया जाएगा। प्रथम सत्र में, विश्वविद्यालय के सभी स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) कार्यक्रमों के लिए यह पाठ्यक्रम एकसमान होगा। यह पाठ्यक्रम 02 श्रेयांकों का होगा। इस पाठ्यक्रम को तैयार करने के लिए माननीय कुलपति महोदय द्वारा एक समिति गठित की जाएगी। संबंधित विभाग के शिक्षक (शिक्षकों) द्वारा यह पाठ्यक्रम पढ़ाया जाएगा ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

- द्वितीय सत्र हेतु भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) पर दूसरे पाठ्यक्रम को संबंधित विभागों द्वारा तैयार किया जाएगा। यह पाठ्यक्रम 02 श्रेयांकों का होगा। भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) पर दोनों पाठ्यक्रमों के लिए कूट (Codes) का निर्धारण संबंधित विभागों/केंद्रों द्वारा किया जाएगा । इन सभी पाठ्यक्रमों को संबंधित पाठ्य-समितियों में विचार-विमर्श एवं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।
- संबंधित शिक्षक द्वारा प्रत्येक सत्र में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों की 10% पाठ्य सामग्री आभासीय माध्यम से पढ़ाई जानी चाहिए ।
- शिक्षकों द्वारा अपने कक्षा शिक्षण के दौरान संकर अधिगम निदर्श (Hybrid Learning Model) को अपनाया जाएगा ताकि दूरस्थ स्थानों पर स्थित विद्यार्थी भी उसी वास्तविक समय कक्षा में उपस्थित हो सकें।
- विश्वविद्यालय के विभागों/केंद्रों द्वारा प्रत्येक सत्र में कम से कम एक पाठ्यक्रम 'मुक्त शैक्षिक संसाधन' (OER) के तौर पर विकसित किया जाना चाहिए, जिसमें परिचयात्मक वीडियो, पीपीटी और/अथवा पीडीएफ रूप में पाठ्यक्रम पाठ्य-सामग्री, प्रश्नोत्तरी और दत्त-कार्य (assignments) शामिल होने चाहिए। इससे अनुवर्ती अधिगम (फ्लिप्ड लर्निंग) को भी बढ़ावा मिलेगा।
- *संकर अधिगम निदर्श* (Hybrid Learning Model) *और मुक्त शैक्षिक संसाधन (OER) के तौर पर विकसित पाठ्यक्रमों को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (रा.मू.प्र.प) उद्देश्य हेतु भी विश्वविद्यालय द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं के तौर पर दर्शाया जा सकता है।*
- विश्वविद्यालय के सभी विभाग/केंद्र प्रत्येक सत्र में विषय-विशिष्ट पाठ्यक्रमों के अलावा 20 श्रेयांकों के **मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम (VAC)** भी प्रस्तावित करेंगे। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम को विभाग द्वारा स्वतंत्र तौर पर या अन्य विभाग/केंद्र के साथ मिलकर प्रस्तावित किया जा सकता है । इन पाठ्यक्रमों को एक मिश्रित रीति (Blended mode) से प्रस्तावित किया जाएगा, जिसके अंतर्गत कोई भी जिसने किसी भी विषय में न्यूनतम स्नातक उपाधि (डिग्री) उत्तीर्ण की है, उसे नामांकित

किया जा सकता है। यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए भी उपलब्ध होगा, जो हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में अपनी स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) की पढ़ाई कर रहे हैं। इस नामांकन हेतु विद्यार्थी को शुल्क का भुगतान करना होगा, जिसका निर्णय विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम की कार्य-रीतियों का भी निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा। विद्यार्थी को मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम में नामांकन की तिथि से 2(दो) वर्षों के अंदर इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने का विकल्प होगा। उक्त मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के बाद विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थी को 'प्रमाण पत्र' प्रदान किया जाएगा। यह 'प्रमाण पत्र' (तीन माह के लिए) 10 श्रेयांकों अथवा (छह माह के लिए) 20 श्रेयांकों का होगा, जिन्हें विद्यार्थी द्वारा निर्धारित अवधि में अर्जित किया जाना है । किसी एक विभाग/केंद्र द्वारा प्रस्तावित व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को अन्य विभागों के विद्यार्थियों के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम के रूप में माना जाएगा।

- किसी अध्ययन कार्यक्रम के कुल पाठ्यक्रमों में 50% से 60% तक सिद्धांत (थ्योरी) और 40% से 50% तक प्रायोगिक (प्रैक्टिकल) की भारिता होगी।
- संपूर्ण द्वितीय वर्ष केवल शोध पर समर्पित होगा, ताकि विद्यार्थी इस पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद सीधे पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश ले सकें *(यूजीसी द्वारा बहुविध प्रवेश-बहिर्गमन दिशानिर्देश, पृष्ठ 11)* ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

2 वर्षीय स्नतकोत्तर उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम

पात्रता : 3 वर्षीय स्नातक उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम

सत्र	विषयक/ अंतर विषयक: मुख्य पाठ्यक्रम	विषयक/ अंतर विषयक: लघु पाठ्यक्रम	व्यावसायिक/ कौशल	भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS)	रचना, शोध प्रस्ताव की समीक्षा	शोध निबंध एवं मौखिक परीक्षा	कुल
1ला	10	04	04	02+	0	0	20
2रा	12	04	02	02#	0	0	20
3रा	04 वैकल्पिक विशेषज्ञता पाठ्यक्रम *(विभाग द्वारा विषय संबंधी पाठ्यक्रम की एक सूची प्रस्तावित की जाएगी)*	04* (संबंधित विषय में शोध क्रियाविधि)	04* (संबंधित विषय/क्षेत्र में उपलब्ध) सोफ्टवेयर आधारित आंकड़ा विश्लेषण	0	08*	00	20
4था	04 वैकल्पिक विशेषज्ञता पाठ्यक्रम *(विभाग द्वारा विषय संबंधी पाठ्यक्रम की एक सूची प्रस्तावित की जाएगी)*	02 **सिद्धांत (थ्योरी)** (शैक्षणिक लेखन) 02 **प्रैक्टिकल** (राष्ट्रीय स्तर पर शोध पत्र प्रकाशन/ सेमिनार-सम्मेलन में प्रस्तुतीकरण)	04* विषय आधारित आंकड़ा विश्लेषण एवं व्याख्या	0	0	08 50% शोध निबंध 50% प्रस्तुतीकरण एवं मौखिक परीक्षा	20
कुल	**30**	**16**	**14**	**04**	**08**	**08**	**80**

+ *विश्वविद्यालय स्तरीय समिति द्वारा विकसित 02 श्रेयांक कोर्स जो सभी कार्यक्रमों के लिए एकसमान होगा*

संबंधित विभाग द्वारा विकसित 02 श्रेयांक पाठ्यक्रम

* *50% सिद्धांत (थ्योरी) और 50% प्रायोगिक (प्रैक्टिकल)*

ये एक व्यापक दिशानिर्देश हैं; तथापि, विभाग/केंद्र संपूर्ण योजना के दायरे के अंतर्गत, श्रेयांकों को बिना परिवर्तित किए अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार परिवर्तन कर सकते हैं। कृपया यह सुनिश्चित करें कि स्नातकोत्तर कार्यक्रम का दूसरा वर्ष केवल शोध के लिए समर्पित किया जाना चाहिए।

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय की शैक्षणिक परिषद की 29वीं बैठक एवं कार्यकारिणी परिषद की 52वीं बैठक में अनुमोदित ।
राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

स्नातकोत्तर उपाधि (डिग्री) कार्यक्रम (2 वर्ष) में प्रवेश एवं बहिर्गमन विकल्प

क्रम सं.	प्रवेश सत्र	बहिर्गमन सत्र	शर्तें	पीजी अनुधि (डिप्लोमा)/ उपाधि (डिग्री)
1.	1ला	2रा	अभ्यर्थी को 1ले से 2रे सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	पीजी अनुधि (डिप्लोमा)
2.	1ला	4था	अभ्यर्थी को 1ले से 4थे सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	उपाधि (डिग्री)
3.	3रा	4था	अभ्यर्थी को 1ले से 4थे सत्रों में प्रस्तावित सभी पाठ्यक्रमों को सफलतापूर्वक पूरा करना होगा	उपाधि (डिग्री)

******

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

माननीय कुलपति महोदय द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्य सामग्री और दिशानिर्देश तैयार करने के लिए समितियां गठित की जाएंगी :

- **भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) से जुड़े 04 श्रेयांक (स्नातक)** का एक पाठ्यक्रम और **2 श्रेयांक का** एक पाठ्यक्रम **(स्नातकोत्तर)**
- पर्यावरणीय अध्ययन पर **04 श्रेयांक (स्नातक)** का एक पाठ्यक्रम
- स्वच्छ भारत प्रशिक्षुता (इंटर्नशिप) पर **02 श्रेयांक (स्नातक)** के लिए दिशानिर्देश/पाठ्य सामग्री
- सांस्कृतिक विनिमय से जुड़े **04 श्रेयांक (स्नातक)** के लिए दिशानिर्देश/पाठ्य सामग्री
- सामुदायिक सम्बद्धता से जुड़े **04 श्रेयांक (स्नातक)** के लिए दिशानिर्देश/पाठ्य सामग्री
- योग अध्ययन से जुड़े **02 श्रेयांक (स्नातक)** के लिए दिशानिर्देश/पाठ्य सामग्री
- लोक विद्या से जुड़े **02 श्रेयांक (स्नातक)** के लिए दिशानिर्देश/पाठ्य सामग्री

*****

राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 की संस्तुतियों को लागू करने के लिए इन दिशानिर्देशों को क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस के CC-BY-SA के अंतर्गत जारी किया जा रहा है ।

English

Central University of Himachal Pradesh
DHARAMSHALA – 176215 (HP)

GUIDELINES

FOR IMPLEMENTING

THE RECOMMENDATIONS OF

NATIONAL EDUCATION POLICY – 2020

IN

CENTRAL UNIVERSITY OF HIMACHAL PRADESH

Approved in the 29th meeting of the Academic Council & the 52nd meeting of the Executive Council, CUHP
Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

NATIONAL EDUCATION POLICY – 2020
GUIDELINES FRAMING COMMITTEE
CENTRAL UNIVERSITY OF HIMACHAL PRADESH
DHARAMSHALA (HP)

Sl. No.	Name & Designation	
1.	**Prof. Sat Prakash Bansal, Hon'ble Vice Chancellor**	**Patron**
2.	Prof. Manoj Kumar Saxena, Professor, School of Education	Chairman
3.	Prof. Bhag Chand Chauhan, Professor, School of Physical and Material Sciences	Vice Chairman
4*.	Prof. Mohinder Singh, Dean, School of Commerce & Management Studies	Member
5.	Prof. Deepak Pant, Dean, School of Earth & Environmental Sciences	Member
6.	Prof. Vishal Sood, Dean, School of Education	Member
7.	Dr. Kanwar Chandradeep Singh, Dean, School of Humanities	Member
8.	Prof. Pradeep Nair, Dean, School of Journalism, Mass Communication & New Media	Member
9.	Dr. Brihaspati Mishra, Dean, School of Languages	Member
10.	Prof. Pradeep Kumar, Dean, School of Life Sciences	Member
11.	Prof. Rakesh Kumar, Dean, School of Mathematics, Computers & Information Science	Member
12.	Dr. Jagmeet Bawa, Dean, School of Performing & Visual Arts	Member
13.	Prof. Hum Chand, Dean, School of Physical & Material Sciences	Member
14.	Prof. Narayan Singh Rao, Dean, School of Social Science	Member
15.	Dr. Suman Sharma, Dean, School of Tourism, Travel & Hospitality Management	Member
16.	Dr. Om Prakash Prajapati, Assistant Professor, Department of Hindi	Member
17.	Dr. Rakesh Kumar, Assistant Professor, Department of Animal Science	Member Secretary

**Name of Deans are given in alphabetical order of the name of their Schools*

Translated in Hindi by: *Dr. Brihaspati Mishra & Shri Sanjay Singh, Rajbhasha Anubhag, CUHP*

Translated in Sanskrit by: *Dr. Brihaspati Mishra, Dr. Kuldeep Kumar, Dr. V. Subramaniam, Dr. Ranjeet Kumar, Dr. Vivek Sharma, Dr. Bhajharidas and Smt. Archana, Department of Sanskrit, Pali and Prakrit, CUHP*

Translated in Punjabi by: *Dr. Naresh Kumar & Dr. Harjinder Singh, Department of Punjabi, CUHP*

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

- The Central University of Himachal Pradesh will be a Research-Intensive University with a focus on Advanced Researches in various disciplines.
- The Bachelor's Degree Programme will be of 4 years with Research / Honours.
- Multiple Entry and Exit systems at various stages will be implemented in the University in Bachelor's Degree Programme from the academic session 2021-22 for newly admitted students.
- As per the UGC Guidelines for Multiple Entry and Exit in Academic Programmes offered in Higher Education Institutions, after completing the requirements of a three-year Bachelor's Degree, candidates who secure a minimum CGPA of 7.5 shall be allowed to continue studies in the fourth year of the undergraduate programme to pursue and complete the Bachelor's Degree with Research/Honours.
- These students will have the option to pursue a Degree with Research or a Degree with Honours. After successful completion of the 6th Semester, they have to choose to pursue a Degree with Research or Degree with Honours.
- Those students who do not have 7.5 CGPA up to the 6th Semester will be awarded Bachelor's Degree as they will have to exit the Bachelor's Degree Programme after completing the 6th Semester.
- The University will offer 4 Years Bachelor's Degree and 2 Years Master's Degree Programmes from the academic session 2021–2022 and 01 Year PG Programmes from the academic session 2025–2026, in line with the recommendations of National Education Policy – 2020.
- It is expected that the first batch of UG with research/honours will pass out in the year 2024-2025. Therefore, 2 years PG programme will continue and from 2025-2026, One-Year PG programme will commence. From the session 2025-2026 both the programmes i.e. One Year PG Programme and Two Years PG Programme will be offered.
- To stay in sync with the National Level institutions, the University will follow the guidelines of multiple entry and exit in academic programmes issued by UGC on July 29, 2021.
- The total number of credits will be a maximum of 20 in each semester, and it will be followed strictly. The students from 1st, 3rd and 6th semester

respectively have to compulsorily opt for two credits interdisciplinary courses, such that they remain different and distinct from the programme which s/he is enrolled in.

- A large component of IKS, Vocational/ Skill Courses, Swachh Bharat Internship, Community Connect, Lok Vidya, Yoga, Indian Languages, Cultural Exchange, i.e., National Integration, Environmental Studies, and Life Skills, etc. will be offered at Bachelor's Degree level.
- Multiple Entry and Exit System at various stages require the modifications in the entire existing course curriculum in Bachelor's Degree Programmes to incorporate IKS, increase the ability and skills, sensitization towards the environment, etc., among students.
- All courses will be conducted in blended mode, i.e., 90% offline and 10% online compulsorily in Bachelor's Degree Programmes.
- Department Level Task Force will develop the complete structure of the programmes to be offered, and it will design the syllabus of different courses with the help of all the teachers of the department as per the requirements.
- For all the courses to be designed at the university level, each department has to assign their respective codes. All these courses will be placed before the respective Board of Studies for deliberations and approval.
- For Vocational Courses, the Department/Center will offer a course basket from where the students may select the course of their choice. The vocational/skill-based courses should be designed in the manner that the students may develop sufficient skill in their respective field at the exit level. The skill assessment will be done by the Skill Assessment Board, which is to be constituted by the Hon'ble Vice-Chancellor.
- Two courses on the **Indian Knowledge System (IKS)** will be introduced in the 1st semester and 6th semester, respectively. In the 1st semester, the course will be uniform for all the Bachelor's Degree Programmes in the University, and it will be of 4 credits. For designing this course, a committee will be constituted by the Hon'ble Vice-Chancellor. The teacher(s) of the concerned department will teach this course.
- The other course on Indian Knowledge System (Subject Specific IKS) which is to be offered in the 6th Semester, will be designed by the Department concerned, and it will be of 2 credits. Under IKS, another course of 2 credits

on Yoga Studies will be offered in the same semester. This course will be designed by a committee constituted by the Hon'ble Vice-Chancellor.

- Swachh Bharat Internship (SBI) Course should be introduced in all the Departments/Centers of the University for Bachelor's Degree Programmes in which sensitization, awareness, nukkad natak, invited lectures, etc., will be organized for students. For designing the guidelines and course content, a committee will be constituted by the Hon'ble Vice-Chancellor.
- Cultural Exchange Programme should be introduced in line with Ek Bharat Shreshth Bharat in the University for Bachelor's Degree Programmes *(Subject to availability of funds and resources)*. The students from every department will go to different parts of the country for awareness & understanding of the culture of that particular part of the country. Local outstanding artists, craftsperson, and other experts of that part of the country be called for the interaction with the students on National Integration, local practices, customs, traditions. The students will be made familiar with the culture and customs of the different parts of the country. Other than the above activities related to cultural exchange, students should be exposed to religion, culture, food, traditions, lifestyles, social customs of the different parts of the country, geographical and political maps, the life of army and border people, etc. For designing the guidelines and course content, a committee will be constituted by the Hon'ble Vice-Chancellor.
- Community Connect courses, i.e., 4 Credits for Community Services, Awareness Creation, and Life Skills in the 3rd Semester and 2 Credits for Lok Vidya in the 5th Semester will be introduced to the students. They will visit the villages and will work with the community for enhancing their life skills, quality to serve people, awareness towards various issues like sanitization, health, digital literacy, financial literacy, welfare schemes of the Government, etc. For designing the guidelines and course content, a committee will be constituted by the Hon'ble Vice-Chancellor.
- The students of the Shahpur campus of the University will go to the villages adopted by the University under Unnat Bharat Abhiyaan for a community connect course.
- For the students of Dharamshala and Dehra Campus, the University should adopt two villages each in Dharamshala and Dehra under UBA Programme, so that the students of these campuses may go to these villages for community

connect course. If required, other villages/areas for Community Connect Programme will be selected by the concerned Department/Center as per their requirements.

- Course on Environmental Studies should be introduced in all Bachelor's Degree Programme of Studies and course structure will be developed at university level in which a committee will be constituted by the Hon'ble Vice-Chancellor for the said purpose.
- The course of Indian Languages will be offered by the School of Languages in offline or online mode as feasible to the school.
- 10% of contents in all the courses offered in each semester should be taught through online mode by the concerned teacher.
- The hybrid learning model will be adopted by the University, and the teachers may use this model during their classroom teaching so that the students at distant places may also attend the class in real-time.
- The Departments/Centers of the University should develop at least one course in a semester as OER in which introductory video, course content on ppt and/or pdf, quizzes, and assignments should be included. It will promote flipped learning also.
- *The hybrid learning model and courses as OERs may be claimed as best practices adopted by the University for NAAC purpose also.*
- All the Departments/Centers of the University will offer **Value Added Courses (VAC)** of 20 credits apart from their discipline-specific courses. The value-added course may be offered by the Department/Center either independently or in collaboration with other Departments/Centers. These courses will be offered in a blended mode where anyone having a minimum School leaving certificate obtained after the successful completion of Grade 12 in any discipline can be enrolled. This course is also available for the students who are pursuing their Bachelor's and Master's Degree in CUHP. For this enrollment, the student has to pay the fee, which will be decided by the University. The modalities of the value-added course will also be decided by the University. The student will have the option to complete this value-added course within 3 Years from the date of enrollment in the course. After successful completion of the said Value-Added Course, the student will be awarded a Certificate by the University. This certificate may be of 10 credits

(for three months) or 20 credits (for six months), which the student has to earn during the stipulated time period. Vocational Courses being offered by one Department/Center will be considered as Value-Added Courses for the students of other Departments.

- Course basket of interdisciplinary major and minor courses of 4/2 credits to be prepared at the university level, for which the departments/centers will submit a course basket and it will be clubbed at the university level. The students have to take at least one course of their choice from this basket. The hybrid learning model (online and/or face-to-face) will be used for these courses. The time slot for these courses will be 09:30 to 10:30 am and 01:30 to 02:30 pm. The number of students in all such courses will be a maximum of 40 on the basis of first-come, first-serve. The students are expected to take at least one major/minor interdisciplinary course from other disciplines compulsorily.
- For Disciplinary major and minor courses of 4/2 credits, the Department/Center will offer a course basket from where the students may select the course of their choice.
- The total courses of any Programme will have the weightage in the range of 50% to 60% for Theory and 40% to 50% for Practice.

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

Multiple Entry-Exit options will be available to students as per the following:

For Undergraduate Programmes
(4 Years with Research/Honours)

Sr. No.	Entry Sem.	Exit Sem.	Conditions	Certificate/Diploma/ Degree/Degree with Research/Honours
1.	1st	2nd	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 2nd semesters.	Certificate
2.	1st	4th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 4th semesters.	Diploma
3.	1st	6th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 6th semesters.	Degree
4.	1st	8th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 8th semesters.	Degree with Research/Honours
5.	3rd	4th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 4th semesters.	Diploma
6.	3rd	6th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 6th semesters.	Degree
7.	3rd	8th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 8th semesters.	Degree with Research/Honours
8.	5th	6th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 6th semesters.	Degree
9.	5th	8th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 8th semesters.	Degree with Research/Honours
10.	7th	8th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 8th semesters.	Degree with Research/Honours

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (4 YEAR PROGRAMME) WITH RESEARCH

Semester	Disciplinary/ Inter-disciplinary: Major Course	Disciplinary/ Inter-disciplinary: Minor Course	Vocational / Skill	IKS	Advanced Knowledge of Research	Lab/ Field Work	Swachh Bharat Internship	Cultural Exchange *(National Integration)*	Community Connect	Environmental Studies	Indian Languages	Subject Internship/ Innovation	Review of Literature/ Research Proposal	Research Work	Total
1st	08	04	02	04	0	02	0	0	0	0	0	0	0	0	**20**
2nd	08	04	04	0	0	02	0	0	0	0	02	0	0	0	**20**
3rd	08	04	02	0	0	02	0	0	04 *(Community Services, Awareness Creation, Life Skills)*	0	0	0	0	0	**20**
4th	08	04	02	0	0	0	02	0	0	04	0	0	0	0	**20**
5th	08	02	02	0	0	02	0	0	02 *(Lok Vidya)*	0	0	04	0	0	**20**
6th	08	04	0	02 *(Subject Specific IKS)* 02 *(Yoga Studies)*	0	0	0	04	0	0	0	0	0	0	**20**
7th	04	0	0	0	08	0	0	0	0	0	0	0	04#	04+	**20**
8th	04	0	0	0	08	0	0	0	0	0	0	0	0	08*	**20**
Total	**56**	**22**	**12**	**08**	**16**	**08**	**02**	**04**	**06**	**04**	**02**	**04**	**04**	**12**	**160**

+ *Paper Publications/Seminar-Conference Presentation at National Level (Practical)*
**Out of 08 Credits, 04 Credits for Dissertation & 04 Credits for Presentation and Viva-Voce*
#*50% Theory and 50% Practical*

These are the broader guidelines; however, the Departments/Centers can make changes as per their specific requirements without changing the credits under the ambit of the overall scheme.

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME (4 YEAR PROGRAMME) WITH HONOURS

Semester	Disciplinary/ Inter-disciplinary: Major Course	Disciplinary/ Interdisciplinary: Minor Course	Vocational/ Skill	IKS	Advanced Knowledge to the Discipline	Lab/Field Work	Swachh Bharat Internship	Cultural Exchange *(National Integration)*	Community Connect	Environmental Studies	Indian Languages	Subject Internship/ Innovation	Total
1st	08	04	02	04	0	02	0	0	0	0	0	0	**20**
2nd	08	04	04	0	0	02	0	0	0	0	02	0	**20**
3rd	08	04	02	0	0	02	0	0	04 *(Community Services, Awareness Creation, Life Skills)*	0	0	0	**20**
4th	08	04	02	0	0	0	02	0	0	04	0	0	**20**
5th	08	02	02	0	0	02	0	0	02 *(Lok Vidya)*	0	00	04	**20**
6th	08	04	0	02 *(Subject Specific IKS)* 02 *(Yoga Studies)*	0	0	0	04	0	0	0	0	**20**
7th	04	04	0	0	10*	02	0	0	0	0	0	0	**20**
8th	04	02	0	0	08*	02	0	0	0	0	0	04	**20**
Total	**56**	**28**	**12**	**08**	**18**	**12**	**02**	**04**	**06**	**04**	**02**	**08**	**160**

50% Theory and 50% Practical

These are the broader guidelines; however, the Departments/Centers can make changes as per their specific requirements without changing the credits under the ambit of the overall scheme.

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

01 YEAR MASTER DEGREE PROGRAMME
Eligibility: 04 Year Bachelor Degree Programme

- The students who have Bachelor Degree with Research/Honours are eligible for admission in this programme.
- The University will offer 01 Year PG Programmes from the academic session 2025–2026 in line with the recommendations of National Education Policy – 2020.
- It is expected that the first batch of UG with research/honours will pass out in the year 2024-2025. Therefore, 2 years PG programme will continue and from 2025-2026, One-Year PG programme will commence. From the session 2025-2026 both the programmes i.e. One Year PG Programme and Two Years PG Programme will be offered.
- *There will be no multiple entry and exit option available in this programme due to its duration of one year only.*

2 YEARS MASTER DEGREE PROGRAMME
Eligibility: 3 Year Bachelor Degree Programme

- The students who have 3 Years Bachelor's Degree are eligible for admission to this programme.
- The University will offer 2 Years Master's Degree Programmes from the academic session 2021–2022 in line with the recommendations of National Education Policy – 2020.
- To stay in sync with the National Level institutions, the University will follow the guidelines of multiple entry and exit in academic programmes issued by UGC on July 29, 2021.
- The total number of credits will be a maximum of 20 in each semester and it will be followed strictly. The students from 1st and 2nd semester respectively have to

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

compulsorily opt for two credits interdisciplinary courses, such that they remain different and distinct from the programme which s/he is enrolled in.

- A large component of IKS and Vocational/ Skill Courses will be offered at the Master's Degree level.
- All courses will be conducted in blended mode, i.e., 90% offline and 10% online compulsorily in Master's Degree Programmes.
- Department Level Task Force will develop the complete structure of the programmes to be offered and it will design the syllabus of different courses with the help of all the teachers of the department as per the requirements.
- For vocational/skill-based courses, the Department/Center will offer a course basket in the Ist and IInd semester from where the students may select the course of their choice. The vocational/skill-based courses should be designed in the manner that the students may develop sufficient skill in their respective field at the exit level. The skill assessment will be done by the Skill Assessment Board which is to be constituted by the Hon'ble Vice-Chancellor.
- Two courses on the Indian Knowledge System (IKS) will be introduced in the 1st semester and 2nd semester respectively. In the 1st semester, the course will be uniform for all the Master's Degree Programmes in the University, and it will be of 2 credits. For designing this course, a committee will be constituted by the Hon'ble Vice-Chancellor. The teacher(s) of the concerned department will teach this course.
- The other course on Indian Knowledge System (IKS) which is to be offered in the 2nd semester will be designed by the Department concerned, and it will be of 2 credits. The codes for both the courses on IKS will be assigned by the respective Departments/Centers. All these courses will be placed before the respective Board of Studies for deliberations and approval.

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

- 10% of contents in all the courses offered in each semester should be taught through online mode by the concerned teacher.
- The hybrid learning model will be adopted by the teachers during their classroom teaching so that the students at distant places may also attend the class in real-time.
- The Departments/Centers of the University should develop at least one course in a semester as OER in which introductory video, course content on ppt and/or pdf, quizzes, and assignments should be included. It will promote flipped learning also.
- *The hybrid learning model and courses as OERs may be claimed as best practices adopted by the University for NAAC purpose also.*
- All the Departments/Centers of the University will offer **Value Added Courses (VAC)** of 20 credits apart from their discipline-specific courses. The value-added course may be offered by the Department/Center either independently or in collaboration with other Departments/Centers. These courses will be offered in a blended mode where anyone having a minimum Bachelor's Degree in any discipline can be enrolled. This course is also available for students who are pursuing their Master's Degree in CUHP. For this enrollment, the student has to pay the fee, which will be decided by the University. The modalities of the value-added course will also be decided by the University. The student will have the option to complete this value-added course within the duration of 2 Years from the date of enrollment in the course. After successful completion of the said Value-Added Course, the student will be awarded a Certificate by the University. This certificate may be of 10 credits (for three months) or 20 credits (for six months), which the student has to earn during the stipulated time period.

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

Vocational Courses being offered by one Department will be considered as Value-Added Courses for the students of other Departments.

- The total courses of any Programme will have the weightage in the range of 50% to 60% for Theory and 40% to 50% for Practice.
- The 2nd year would be entirely devoted to research only as the student may go directly for PhD programme after completion of this course. *(Guidelines Multiple Entry-Exit by UGC p. 11).*

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

2 YEARS MASTER'S DEGREE PROGRAMME
Eligibility: 3 Year Bachelor's Degree Programme

Semester	Disciplinary/ Interdisciplinary : Major Course	Disciplinary/ Interdisciplinary : Minor Course	Vocational / Skill	IKS	Review of Literature, Research Proposal	Dissertation & Viva-Voce	Total
1st	10	04	04	02+	0	0	20
2nd	12	04	02	02#	0	0	20
3rd	04 Elective Specialization (*A disciplinary Course basket is to be offered by the Department)*	04* (Research Methodology in concerned subject)	04* Software-based Data Analysis (Available in the concerned subject/field)	0	08*	00	20
4th	04 Elective Specialization (*A disciplinary Course basket is to be offered by the Department)*	02 **Theory** (Academic Writings) 02 **Practical** (Paper Publications/Seminar-Conference Presentation at National Level)	04* Subject-based Data Analysis and Interpretation	0	0	08 50% Dissertation 50% Presentation & Viva-Voce	20
Total	**30**	**16**	**14**	**04**	**08**	**08**	**80**

+02 Credits Course Developed by University Level Committee and uniform for all the programmes
 # 02 Credits Course Developed by the Department concerned,
** 50% Theory and 50% Practical*

These are the broader guidelines; however, the Departments/Centers can make changes as per their specific requirements without changing the credits under the ambit of the overall scheme. Please ensure that the second year of the Master's Programme should entirely be devoted to Research.

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

ENTRY and EXIT OPTIONS in MASTER'S DEGREE PROGRAMME (2 Years)

Sr. No.	Entry Sem.	Exit Sem.	Conditions	PG Diploma/ Degree
1.	1st	2nd	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 2nd semesters.	PG Diploma
2.	1st	4th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 4th semesters.	Degree
3.	3rd	4th	Candidate has to successfully complete all the courses offered in 1st to 4th semesters.	Degree

******

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

The committees will be constituted by the Hon'ble Vice Chancellor for designing Course content and guidelines for the following courses:

- A course on **Indian Knowledge System (IKS) of 4 Credits (UG) & 2 Credits (PG)**
- A Course on Environmental Studies **of 4 Credits (UG)**
- Guidelines/Course Content for Swachh Bharat Internship **of 2 Credits (UG)**
- Guidelines/Course Content for Cultural Exchange **of 4 Credits (UG)**
- Guidelines/Course Content for Community Connect **of 4 Credits (UG)**
- Guidelines/Course Content for Yoga Studies **of 2 Credits (UG)**
- Guidelines/Course Content for Lok Vidya **of 2 Credits (UG)**

*****

Guidelines for Implementing the Recommendations of National Education Policy – 2020 in CUHP are being released under CC-BY-SA of Creative Commons Attribution 4.0 Unported License.

संस्कृत

हिमाचल-प्रदेश-केन्द्रीय-विश्वविद्यालयः
धर्मशाला - 176215 (हि.प्र.)

हिमाचल-प्रदेश-केन्द्रीय-विश्वविद्यालये
राष्ट्रिय-शिक्षा-नीतिः – 2020
इत्यस्याः संस्तुतीः प्रवर्तयितुं
दिशानिर्देशाः

हिमाचलप्रदेश- केन्द्रीय- विश्वविद्यालयस्य शैक्षणिकपरिषदः 29तमायां गोष्ठ्याम् तथा च कार्यकारिणीपरिषदः 52 तमायां गोष्ठ्याम् अनुमोदनम् अभवत्।
राष्ट्रिय-शिक्षा-नीतिः – 2020 इत्यस्याः संस्तुतीः प्रवर्तयितुम् एते दिशानिर्देशाः क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस अन्तर्गतं प्रस्तुताः सन्ति।

राष्ट्रिय-शिक्षा-नीतिः – 2020

कार्यान्वयन-समितिः

हिमाचल-प्रदेश-केन्द्रीय-विश्वविद्यालयः धर्मशाला (हि.प्र.)

क्रम सं.	नाम पदनाम च	
1.	**प्रो. सतप्रकाशबंसलः** **माननीयः कुलपतिः**	**संरक्षकः**
2.	प्रो. मनोजकुमारः सक्सेना, आचार्यः, शिक्षा-संकायः	अध्यक्षः
3.	प्रो. भागचन्दः चौहानः, आचार्यः, भौतिक-पदार्थ-विज्ञानसंकायः	उपाध्यक्षः
4.*	प्रो. मोहिंदरसिंहः, अधिष्ठाता, वाणिज्यप्रबन्धनाध्ययनसंकायः	सदस्यः
5.	प्रो. दीपकपन्तः, अधिष्ठाता, पृथ्वीपर्यावरणविज्ञानसंकायः	सदस्यः
6.	प्रो. विशालसूदः, अधिष्ठाता, शिक्षा-संकायः	सदस्यः
7.	डॉ. कंवरचंदरदीपसिंहः, अधिष्ठाता, मानविकी-संकायः	सदस्यः
8.	प्रो. प्रदीपनायरः, अधिष्ठाता, पत्रकारिता-जनसंचार-नवमाध्यमसंकायः	सदस्यः
9.	डॉ. बृहस्पतिमिश्रः, अधिष्ठाता, भाषासंकायः	सदस्यः
10.	प्रो. प्रदीपकुमारः, अधिष्ठाता, जैविकविज्ञानसंकायः	सदस्यः
11.	प्रो. राकेशकुमारः, अधिष्ठाता, गणित-संगणक-सूचनाविज्ञानसंकायः	सदस्यः
12.	डॉ. जगमीतबावा, अधिष्ठाता, अभिनयकलादृश्यकलासंकायः	सदस्यः
13.	प्रो. होमचंदः, अधिष्ठाता, भौतिक-पदार्थविज्ञानसंकायः	सदस्यः
14.	प्रो. नारायणसिंहरावः, अधिष्ठाता, समाजविज्ञानसंकायः	सदस्यः
15.	डॉ. सुमनशर्मा, अधिष्ठाता, पर्यटन-यात्रातिथ्यप्रबन्धनसंकायः	सदस्यः
16.	डॉ. ओमप्रकाशप्रजापतिः, सहायकाचार्यः, हिन्दीविभागः	सदस्यः
17.	डॉ. राकेशकुमारः, सहायकाचार्यः, जन्तुविज्ञानविभागः	सदस्यसचिवः

**** अधिष्ठातृनामानि तदीयसंकायस्य आंग्लभाषानाम्नां वर्णक्रमेण सन्ति।***

- हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयः एकः शोधप्रधानः विश्वविद्यालयः भविष्यति, यस्मिन् विभिन्नविषयेषु प्रगते अनुसंधाने अवधानं केन्द्रितं भविष्यति।

- स्नातक-उपाधि-कार्यक्रमः शोध/प्रवीण – प्रतिष्ठा सहितः 4 वर्षाणां कृते भविष्यति।

- विश्वविद्यालयस्य स्नातक-उपाधि-कार्यक्रमे नूतनं प्रवेशं प्राप्तवद्भ्यः विद्यार्थिभ्यः शैक्षणिकसत्रात् 2021-22 तः विभिन्नेषु चरणेषु बहुविधप्रवेश-बहिर्गमनप्रणाली क्रियान्विता भविष्यति।

- उच्च-शिक्षा-संस्थानेषु प्रस्तावित-शैक्षणिक-कार्यक्रमाणां कृते बहुविधप्रवेश-बहिर्गमनप्रणाली-संबन्धिनां विश्वविद्यालयानुदानायोगस्य दिशानिर्देशानाम्' अनुसारेण शोध/प्रवीण-सहितं स्नातकोपाधिं पठितुम् उपाधिं प्राप्तुं च (स्नातककार्यक्रमस्य चतुर्थे वर्षे च पठितुं) तेषामेव अभ्यर्थिनां कृते अनुमतिः प्रदास्यते, ये त्रिवर्षीय-स्नातक-उपाधिकार्यक्रमाणाम् अपेक्षाणां पूरणानन्तरं न्यूनतमं 7.5 एकीकृतश्रेणीप्रतिशतानुपातं (CGPA) प्राप्तवन्तः स्युः।

- एतेषां विद्यार्थिनां कृते शोधसहितोपाधिं अथवा प्रवीणसहित-उपाधिं पठितुं विकल्पो भविष्यति। षष्ठसत्रस्य सफलतापूर्वकं समापनानन्तरं ते शोधसहितम् उपाधिम् अथवा प्रवीणसहित-उपाधिं चिनुयुः।

- तथा च यैः विद्यार्थिभिः षष्ठसत्रपर्यन्तं 7.5 एकीकृतश्रेणीप्रतिशतानुपातः (CGPA) न प्राप्तः स्यात्, तेभ्यः स्नातक उपाधिः प्रदास्यते तथा च ते षष्ठसत्रस्य पूरणानन्तरं स्नातकोपाधिकार्यक्रमं त्यजेयुः।

- विश्वविद्यालय: राष्ट्रिय-शिक्षानीतिः-2020 इत्यस्याः संस्तुतीनाम् अनुरूपं शैक्षणिकवर्षात् 2021 – 2022 तः चतुर्वर्षीय-स्नातकोपाधेः तथाच द्विवर्षीय स्नातकोत्तरोपाधिकार्यक्रमस्य 2025-2026 शैक्षणिकसत्रादारभ्य एकवर्षीयस्य स्नातकोत्तरकार्यक्रमस्य च प्रस्तावं करिष्यति।
- आशास्यते यत् शोध/प्रतिष्ठासहितस्य स्नातकस्य प्रथमा कक्षा 2024-2025 शैक्षणिकसत्रं यावत् उत्तीर्णा भविष्यति। अतस्तावत् द्विवर्षीयः स्नातकोत्तरकार्यक्रमः प्रचलितो भविष्यति, 2025-2026 शैक्षणिकसत्रादारभ्य च एकवर्षीयः स्नातकोत्तरकार्यक्रमः प्रारब्धो भविष्यति। 2025-2026 शैक्षणिकसत्रादारभ्य च द्वावपि कार्यक्रमौ द्विवर्षीयः एकवर्षीयः स्नातकोत्तरकार्यक्रमश्च प्रस्तावयिष्येते।

- राष्ट्रियस्तरीयैः संस्थानैः सह तारतम्याय विश्वविद्यालयः 29 जुलाई, 2021 दिनाङ्कतः प्रवृत्तानां विश्वविद्यालयानुदानायोगस्य बहुविधप्रवेश-बहिर्गमनप्रणाली-संबन्धिदिशानिर्देशानां पालनं करिष्यति।
- प्रत्येकस्मिन् सत्रे आहत्य श्रेयाङ्काणां संख्या अधिकाधिकं 20 भवेत् तथा च अस्याः दृढतया पालनं स्यात्। विद्यार्थिनः प्रथमे, तृतीये षष्ठे च सत्रे द्वयोः श्रेयाङ्कयोः अन्तर्वैषयिकं पाठ्यक्रमम् अनिवार्यतया तथा स्वीकरिष्यन्ति यथा यस्मिन् कार्यक्रमे ते पञ्जीकृताः, ततः ते विषयाः पृथक् भिन्नाश्च भवेयुः।

- स्नातकस्तरे भारतीयज्ञानप्रणाल्याः (IKS), व्यावसायिक(वोकेशनल)/कौशलविकास-पाठ्यक्रमाणां, स्वच्छभारतप्रशिक्षुतायाः (इंटर्नशिप), सामुदायिकसम्बद्धतायाः, लोकविद्यायाः, योगस्य,

- भारतीयभाषाणां, सांस्कृतिकविनिमयानाम् अर्थात् राष्ट्रियैकीकरणस्य, पर्यावरणीयाध्ययनस्य तथा च जीवनकौशलस्य इत्येवमादीनाम् एकः महान् प्रस्तावः क्रियेत।

- विभिन्नचरणेषु बहुविधप्रवेश-बहिर्गमनप्रणालीं क्रियान्वितां कर्तुं भारतीयज्ञानप्रणालीं समावेशयितुं, योग्यतायाः कौशलस्य अभिवर्धनाय तथा च विद्यार्थिषु पर्यावरणादिकं प्रति संवेदनशीलतायै स्नातकोपाधिकार्यक्रमस्य समस्तेऽपि वर्तमाने पाठ्यक्रमे पाठ्यचर्यायां परिवर्तनस्य आवश्यकता अस्ति।

- स्नातकोपाधिकार्यक्रमे सर्वे पाठ्यक्रमाः अनिवार्यतया मिश्रितरूपेण अर्थात् 90% प्रत्यक्षतया तथा च 10% आभासीयमाध्यमेन पाठयिष्यन्ते।

- विभागस्तरीयकार्यदलम् एकं पाठयिष्यमाणानाम् अध्ययनकार्यक्रमाणां संपूर्णसंरचनां विकासयिष्यति। कार्यदलं विभागस्य सर्वेषां शिक्षकाणां साहाय्येन आवश्यकतानुसारं विभिन्नपाठ्यक्रमाणां पाठ्यविवरणं सिद्धं करिष्यति।

- विश्वविद्यालयस्तरे सज्जीक्रियमाणेभ्यः सर्वेभ्यः पाठ्यक्रमेभ्यः प्रत्येकं विभागद्वारा स्वस्वविभागेन संबन्धितकूटाङ्कानां निर्धारणं करिष्यते। एतेषां सर्वेषां पाठ्यक्रमाणां संबन्धितपाठ्यसमितौ विचाराय विमर्शाय तथा च अनुमोदनाय प्रस्तुतिः कर्तव्या।

- व्यावसायिकपाठ्यक्रमेभ्यः विभागद्वारा / केन्द्रद्वारा पाठ्यक्रमाणां एका सूची प्रस्तावयिष्यते, यस्याः विद्यार्थिभिः स्वेच्छानुसारं पाठ्यक्रमस्य चयनं करिष्यते। व्यावसायिकाः (वोकेशनल)/कौशलाधारिताः पाठ्यक्रमाः इत्थं प्रकारेण साधनीयाः यत् पाठ्यक्रमस्य समाप्तिपर्यन्तं विद्यार्थी स्वसंबन्धिते क्षेत्रे पर्याप्तं कौशलं च विकासयेत्। कौशलमूल्याङ्कनं 'कौशल-मूल्याङ्कन-परिषद्'द्वारा करिष्यते, यस्याः रचनां माननीयकुलपतिः करिष्यति।

- **भारतीय-ज्ञान-प्रणाल्याः (IKS)** द्वौ पाठ्यक्रमौ क्रमशः प्रथमे सत्रे तथा च षष्ठे सत्रे प्रारप्स्येते। प्रथमे सत्रे विश्वविद्यालयस्य सर्वेषां स्नातकोपाधिकार्यक्रमाणां कृते पाठ्यक्रमः एकरूपः भविष्यति। अयं पाठ्यक्रमः चतुर्णां श्रेयाङ्काणां भविष्यति। इमं पाठ्यक्रमं साधयितुं माननीयकुलपतिमहोदयद्वारा एका समितिः रचिता भविष्यति। संबन्धितस्य विभागस्य शिक्षकैः अयं पाठ्यक्रमः पाठयिष्यते।

- षष्ठसत्राय प्रस्तावितायां भारतीयज्ञानप्रणाल्यां द्वितीयपाठ्यक्रमः (विषयविशेषः - भारतीय ज्ञान प्रणाली) संबन्धितेन विभागेन साधयिष्यते। अयं पाठ्यक्रमः द्वयोः श्रेयाङ्कयोः भविष्यति। भारतीय-ज्ञान-प्रणाल्याः (IKS) अन्तर्गतम् योगाध्ययने द्वयोः श्रेयाङ्कयोः अपरः एकः पाठ्यक्रमः अस्मिन्नेव सत्रे पाठयिष्यते। अयं पाठ्यक्रमः माननीयकुलपतिमहोदयद्वारा रचितसमित्या साधयिष्यते।
- विश्वविद्यालयस्य सर्वेषां विभागानां/केन्द्राणां स्नातकोपाधिकार्यक्रमेषु स्वच्छभारतप्रशिक्षुता (SBI) पाठ्यक्रमः प्रारप्स्यते। अस्य पाठ्यक्रमस्य अन्तर्गतं विद्यार्थिभ्यः संवेदीकरणम्, जागरूकताकार्यक्रमः, वीथीनाटकम्, आमन्त्रितव्याख्यानम् इत्यादयः आयोजिताः भविष्यन्ति। अस्मिन् संबन्धे दिशानिर्देशान् पाठ्यसामग्रीं च सज्जीकर्तुं माननीय-कुलपति-द्वारा एका समितिः रचिता भविष्यति।
- विश्वविद्यालये स्नातकोपाधिकार्यक्रमाय सांस्कृतिकविनिमयकार्यक्रमः-**"एकं भारतं श्रेष्ठं भारतम्"**इत्यस्य अनुरूपम् **(निधेः संसाधनानां च उपलब्धतायाः अधीनः)** आरब्धव्यः। प्रत्येकं विभागस्य छात्राः देशस्य विभिन्नस्थानानि गमिष्यन्ति येन तेषु जागरूकता आगच्छेत्, तेषु तद्भागविशेषस्य संस्कृतेः बोधश्च जायेत। देशस्य तस्य स्थानस्य प्रमुखस्थानीयकलाकाराः, शिल्पकाराः, अन्यविशेषज्ञाश्च राष्ट्रिय-एकीकरणार्थं स्थानीयप्रथासु,रीतिनीतिषु,परम्परासु पारस्परिकविचारार्थम् आहूतव्याः । विद्यार्थिनां देशस्य विविधस्थानानां संस्कृतिभिः सह परिचयो कारयिष्यते । सांस्कृतिकविनिमयार्थम् उपर्युक्तक्रियाकलापेभ्यः अतिरिक्तं विद्यार्थिनः देशस्य विभिन्नस्थानानां जनानां सम्प्रदायस्य, संस्कृतेः, भोजनपरम्परायाः, परम्पराणां, जीवनशैल्याः, सामाजिकरीतिनीतीनां, भौगोलिकराजनैतिकमानचित्राणां, सेनायाः, सीमावर्तिजनानां जीवनविषये अवगमनीयाः । अस्मिन् सन्दर्भे दिशानिर्देशान् पाठ्यसामग्रीं च साधयितुं माननीयकुलपतिना समितिः रचयिष्यते।
- सामुदायिकसम्बद्धतापाठ्यक्रमाः अर्थात् विद्यार्थिनां कृते तृतीयसत्रे सामुदायिकसेवायाः, जागरूकतासर्जनस्य जीवनकौशलस्य च 4 श्रेयाङ्काणां, पञ्चमे सत्रे लोकविद्यायाः 2 श्रेयाङ्कयोः च पाठ्यक्रमः प्रारप्स्यते। ते ग्रामं गत्वा समुदायेन सह कार्यं करिष्यन्ति। येन विद्यार्थिनां जीवनकौशलस्य जनसेवाकरणस्य गुणवत्तायां परिष्कारो वृद्धिश्च भविता । एतेन विभिन्नेषु स्वच्छता-स्वास्थ्ययोः आङ्किकसाक्षरता-वित्तीयसाक्षरता-सर्वकारस्यजनकल्याणयोजनादीनां विषयेषु जनजागरूकता आगन्ता । अस्मिन् सन्दर्भे दिशानिर्देशान् पाठ्यसामग्रीं च साधयितुं माननीयकुलपतिना समितिः रचयिष्यते।
- विश्वविद्यालयस्य शाहपुरपरिसरस्य विद्यार्थिनः **"सामुदायिकसम्बद्धतापाठ्यक्रमार्थम्"** उन्नतभारताभियानान्तर्गतं विश्वविद्यालयद्वारा अङ्गीकृतान् ग्रामान् यास्यन्ति।
- धर्मशालादेहरापरिसरयोः विद्यार्थिनां कृते विश्वविद्यालयद्वारा उन्नतभारताभियानान्तर्गतं धर्मशालायां देहरायाञ्च द्वौ द्वौ ग्रामौ चेतव्यौ । एतेन अनयोः परिसरयोः छात्राः **सामुदायिकसम्बद्धताकार्यक्रमार्थम्** एतान् ग्रामान् गमिष्यन्ति। सत्यामावश्यकतायां

सम्बद्धविभागेन/केन्द्रेण तेषामपेक्षानुगुणं **सामुदायिकसम्बद्धताकार्यक्रमार्थम्** अन्ये ग्रामाः/क्षेत्राणि चेतुं शक्यानि।

- सर्वेषु स्नातकोपाधि-कार्यक्रमेषु पर्यावरणीयाध्ययनपाठ्यक्रमः सञ्चालनीयः । एतस्य पाठ्यसंरचना विश्वविद्यालयस्तरे निर्मास्यते। एतदर्थं माननीयकुलपतिना समितिः रचयिष्यते।
- भारतीयभाषाणां पाठ्यक्रमाः भाषासंकायद्वारा प्रत्यक्षतया (आफलाईन) अथवा आभासीयमाध्यमेन संकायस्य व्यवहार्यतानुसारं (परिस्थित्यनुगुणम्) प्रस्तावि‍ताः भविष्यन्ति।
- प्रत्येकं सत्रे सर्वेषां प्रस्तावितपाठ्यक्रमाणां 10% पाठ्यसामग्री सम्बन्धितशिक्षकेण आभासीयमाध्यमेन पाठयितव्या।
- शिक्षकैः स्वकक्षाशिक्षणकाले संकर-अधिगम-प्रतिदर्श आचरिष्यते येन दूरस्था विद्यार्थिनोऽपि तस्यां कक्षायां वास्तविककाले उपस्थिताः भवितुं शक्नुयुः।
- विश्वविद्यालयस्य विभागैः/केन्द्रैः प्रत्येकं सत्रे न्यूनातिन्यूनम् एकः पाठ्यक्रमः "मुक्तशैक्षिकसंसाधन"रूपेण विकासनीयः, यस्मिन् परिचयात्मकं चलचित्रं, पीपीटी/पी.डी.एफ.रूपेण पाठ्यसामग्री, प्रश्नोत्तरी प्रदत्तकार्यञ्च अन्तर्निहितं स्यात्। अनेन अधिगमवैविध्ये वृद्धिः भविष्यति।
- *संकर-अधिगम-निदर्श(हाईब्रिड लर्निंग मॉडल), मुक्तशैक्षिकसंसाधनाधारितान् (ओ.ई.आर.) विकसितान् पाठ्यक्रमान् राष्ट्रिय-मूल्याङ्कन-प्रत्यायन-परिषदे (NAAC) उद्देश्येन अपि विश्वविद्यालयद्वारा स्वीकृतसर्वोत्तम-परम्परारूपेणापि दर्शयितुं शक्नुमः।*
- विश्वविद्यालयस्य विभागैः/केन्द्रैः प्रत्येकं सत्रे विषय-विशिष्टपाठ्यक्रमान् अतिरिच्य 20 श्रेयाङ्काणां **मूल्यवर्धित(वी.ए.सी.) पाठ्यक्रमाः** प्रस्तोष्यते। मूल्यवर्धितपाठ्यक्रमं विभागः स्वतन्त्ररूपेण अथवा विभागान्तरेण/केन्द्रान्तरेण सह मिलित्वा प्रस्तावयितुं शक्नोति। एते पाठ्यक्रमाः मिश्रितरीत्या (ब्लैन्डेड मोड) प्रस्तावयितुं शक्यन्ते। अस्मिन् पाठ्यक्रमे यः कश्चन यस्मिन् कस्मिन्नपि विषये द्वादशीकक्षां सफलतापूर्वकम् उत्तीर्य "विद्यालयत्यागप्रमाणपत्रं" प्राप्तवान् स्यात् तस्य नामाङ्कनं कर्तुं शक्यते। अयं पाठ्यक्रमः हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालये स्नातककक्षासु स्नातकोत्तरकक्षासु च अधीयानेभ्यः छात्रेभ्योऽपि उपलब्धो भविष्यति। नामाङ्कनार्थं विद्यार्थिना शुल्कः देयः भविष्यति। यस्य निर्णयं विश्वविद्यालयः करिष्यति। मूल्यवर्धितपाठ्यक्रमाणां कार्यरीतेः निर्धारणमपि विश्वविद्यालयेन करिष्यते। विद्यार्थिना मूल्यवर्धितपाठ्यक्रमे नामाङ्कनतिथेः त्रिवर्षाभ्यन्तरे पाठ्यक्रमः अध्येतुं शक्यते इति विकल्पो विद्यार्थिनो भविष्यति। उक्तस्य मूल्यवर्धितपाठ्यक्रमस्य सफलतापूर्वकम् उत्तीर्णतानन्तरं विश्वविद्यालयेन विद्यार्थिने प्रमाणपत्रं (सर्टिफिकेट) प्रदास्यते। इदं प्रमाणपत्रं 10 श्रेयाङ्काणां (मासत्रयाय) अथवा 20 श्रेयाङ्काणां (षड्भ्यः मासेभ्यः) भविष्यति। ये च विद्यार्थिना निर्धारितावधौ

अर्जनीयाः । केनापि विभागेन/केन्द्रेण प्रस्तावितः व्यावसायिकपाठ्यक्रमाः विभागान्तरीयाणां/केन्द्रान्तरीयाणां विद्यार्थिनां कृते मूल्यवर्धित-पाठ्यक्रमरूपेण मान्याः भविष्यन्ति ।

- 4/2 श्रेयाङ्कानाम् अन्तर्विषयक-मुख्यपाठ्यक्रमाणां लघुपाठ्यक्रमाणां सूची विश्वविद्यालयस्तरे सज्जीकरिष्यते । एतदर्थं विभागैः/केन्द्रैः स्व-स्वपाठ्यक्रमाणां सूची प्रदास्यते, याः संयोज्य विश्वविद्यालयस्तरीया सूची रचयिष्यते । विद्यार्थिभिः अस्याः सूचेः स्वाभिरुचेरनुसारं न्यूनातिन्यूनमेकः पाठ्यक्रमः चेतव्यो भविष्यति । एभ्यः पाठ्यक्रमेभ्यः सङ्कराधिगमप्रतिदर्शस्य (प्रत्यक्षमाध्यमेन आभासीयमाध्यमेन वा) उपयोगः करिष्यते । एभ्यः पाठ्यक्रमेभ्यः समयावधिः पूर्वाह्ण 09.30 तः 10.30
- पर्यन्तं अपराह्ण च 1.30 तः 2.30 पर्यन्तं भविष्यति । एषु पाठ्यक्रमेषु प्रतिपाठ्यक्रमं विद्यार्थिनामधिकतमा सङ्ख्या 'प्रथममागच्छतु प्रथमं प्राप्नोतु' इत्याधारेण चत्वारिंशत् भविष्यति । विद्यार्थिभ्यः अन्यविषयैः सम्बद्धस्य न्यूनातिन्यूनम् एकस्य अन्तर्विषयकस्य मुख्यस्य/लघोः पाठ्यक्रमस्य अनिवार्यरूपेण चयनस्य अपेक्षा क्रियते ।
- 4/2 श्रेयाङ्काणां स्वविषयकमुख्यलघुपाठ्यक्रमाणाङ्कृते विभागैः/केन्द्रैः पाठ्यक्रमाणां सूची प्रदास्यते । विद्यार्थिभिः अस्याः सूच्याः स्वेष्टपाठ्यक्रमस्य चयनं कर्तव्यं भविष्यति ।
- कस्याप्यध्ययन-कार्यक्रमस्य सर्वेषु पाठ्यक्रमेषु 50% तः 60% पर्यन्तं सिद्धान्तस्य 40% तः 50% पर्यन्तं प्रयोगस्य भारिता भविष्यति ।

विद्यार्थिभ्यः बहुविध-प्रवेश-बहिर्गमनस्य विकल्पः निम्नानुसारम् उपलब्धो भविष्यति-

स्नातक-कार्यक्रमाणां कृते

[शोध/प्रवीण(प्रतिष्ठा) सहितः 4 वर्षाणि]

क्रम सं.	**प्रवेशसत्रम्**	**बहिर्गमन-सत्रम्**	**प्रतिबन्धाः**	**प्रमाणपत्रम्/अनुधिः/ उपाधिः-शोधः/ प्रवीणसहित उपाधिः**
1.	प्रथमम्	द्वितीयम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् द्वितीयसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	प्रमाणपत्रम्
2.	प्रथमम्	चतुर्थम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् चतुर्थसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	**अनुधिः**
3.	प्रथमम्	षष्ठम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् षष्ठसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	**उपाधिः**
4.	प्रथमम्	अष्टमम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् अष्टमसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	शोध/प्रवीण सहित **उपाधिः**
5.	तृतीयम्	चतुर्थम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् चतुर्थसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	**अनुधिः**
6.	तृतीयम्	षष्ठम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् षष्ठसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	**उपाधिः**
7.	तृतीयम्	अष्टमम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् अष्टमसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	शोध/प्रवीण सहित उपाधिः
8.	पञ्चमम्	षष्ठम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् षष्ठसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	उपाधिः
9.	पञ्चमम्	अष्टमम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् अष्टमसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	शोध/प्रवीण सहित उपाधिः
10.	सप्तमम्	अष्टमम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् अष्टमसत्रपर्यन्तं प्रस्तावितः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	शोध/प्रवीण सहित उपाधिः

शोधसहितः स्नातकोपाधिकार्यक्रमः (4 वर्षीयः कार्यक्रमः)

सत्रम्	स्वविषयकः/ अन्तर्विषयकः मुख्यपाठ्यक्रमः	स्वविषयकः/ अन्तर्विषयकः लघुपाठ्यक्रमः	व्यावसायिकः/ कौशलसम्बद्धः	भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS)	शोधस्य प्रगत-ज्ञानम्	प्रयोगशाला/ क्षेत्रकार्यम्	स्वच्छ भारत - प्रशिक्षुता	सांस्कृतिक विनिमयः *(राष्ट्रियम् एकीकरणम्)*	सामुदायिक-सम्बद्धता	पर्यावरणीयम् अध्ययनम्	भारतीय-भाषाः	विषय प्रशिक्षुता / नवोन्मेषः	रचना/ शोध प्रस्तावस्य समीक्षा	शोध-कार्यम्	कुल योगः
प्रथमम्	08	04	02	04	0	02	0	0	0	0	0	0	0	0	20
द्वितीयम्	08	04	04	0	0	02	0	0	0	0	02	0	0	0	20
तृतीयम्	08	04	02	0	0	02	0	0	04 *(सामुदायिक-सेवाः, जागरूकता-सर्जनम्, जीवन कौशलम्)*	0	0	0	0	0	20
चतुर्थम्	08	04	02	0	0	0	02	0	0	04	0	0	0	0	20
पञ्चमम्	08	02	02	0	0	02	0	0	02 *(लोक विद्या)*	0	0	04	0	0	20
षष्ठम्	08	04	0	02 *(विषय विशेषः भारतीय-ज्ञान-प्रणाली)* 02 *(योगाध्ययनम्)*	0	0	0	04	0	0	0	0	0	0	20
सप्तमम्	04	0	0	0	08	0	0	0	0	0	0	0	04#	04+	20
अष्टमम्	04	0	0	0	08	0	0	0	0	0	0	0	0	08*	**20**
कुल योगः	**56**	22	**12**	08	**16**	**08**	**0** 2	04	06	04	02	04	**04**	**12**	60

+*राष्ट्रियस्तरे शोध-पत्र-प्रकाशनम्/संगोष्ठी-सम्मेलनेषु प्रस्तुतीकरणम् (प्रायोगिकम्)*

* *08 श्रेयाङ्केषु शोध-निबन्धाय 04 श्रेयाङ्काः प्रस्तुतीकरणाय मौखिकपरीक्षायै च 04 श्रेयाङ्काः*

50% सिद्धान्तस्य 50% च प्रयोगस्य कृते

एते व्यापकदिशानिर्देशाः सन्ति तथापि विभागः/केन्द्रम् संपूर्णयोजनायाः परिधौ श्रेयाङ्केषु परिवर्तनं विनैव स्वीयविशिष्टावश्यकतानुसारं परिवर्तनं कर्तुं शक्नोति।

हिमाचलप्रदेश- केन्द्रीय- विश्वविद्यालयस्य शैक्षणिकपरिषदः 29तमायां गोष्ठ्याम् तथा च कार्यकारिणीपरिषदः 52 तमायां गोष्ठ्याम् अनुमोदनम् अभवत्।
राष्ट्रिय-शिक्षा-नीतिः – 2020 इत्यस्याः संस्तुतीः प्रवर्तयितुम् एते दिशानिर्देशाः क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस अन्तर्गतं प्रस्तुताः सन्ति।

प्रवीण-सहितः स्नातकोपाधिकार्यक्रमः (4 वर्षीयः कार्यक्रमः)

सत्रम्	स्वविषयकः/अन्तर्विषयकः मुख्यपाठ्यक्रमः	स्वविषयकः/अन्तर्विषयकः लघुपाठ्यक्रमः	व्यावसायिकः/कौशलसम्बद्धः	भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS)	शोधस्य प्रगत-ज्ञानम्	प्रयोगशाला /क्षेत्रकार्यम्	स्वच्छ-भारत-प्रशिक्षुता	सांस्कृतिक विनिमयः *(राष्ट्रिया-एकता)*	सामुदायिक-सम्बद्धता	पर्यावरणीयम् अध्ययनम्	भारतीय-भाषाः	विषय - प्रशिक्षुता / नवोन्मेषः	कुलयोगः
प्रथमम्	08	04	02	04	0	02	0	0	0	0	0	0	20
द्वितीयम्	08	04	04	0	0	02	0	0	0	0	02	0	20
तृतीयम्	08	04	02	0	0	02	0	0	04 *(सामुदायिक-सेवाः, जागरूकता-सर्जनम्, जीवन-कौशलम्)*	0	0	0	20
चतुर्थम्	08	04	02	0	0	0	02	0	0	04	0	0	20
पञ्चमम्	08	02	02	0	0	02	0	0	02 *(लोक-विद्या)*	0	00	04	20
षष्ठम्	08	04	0	02 *(विषय विशेषः भारतीय-ज्ञान-प्रणाली)* 02 *(योगाध्ययनम्)*	0	0	0	04	0	0	0	0	20
सप्तमम्	04	04	0	0	10*	02	0	0	0	0	0	0	20
अष्टमम्	04	02	0	0	08*	02	0	0	0	0	0	04	**20**
कुलयोगः	**56**	**28**	**12**	**08**	**18**	**12**	**02**	**04**	**06**	**04**	**02**	**08**	160

**50% सिद्धान्तस्य 50% च प्रयोगस्य ।*

एते व्यापकदिशानिर्देशाः सन्ति तथापि विभागः/केन्द्रम् संपूर्णयोजनायाः परिधौ, श्रेयाङ्केषु परिवर्तनं विनैव स्वीयविशिष्टावश्यकतानुसारं परिवर्तनं कर्तुं शक्नोति।

हिमाचलप्रदेश- केन्द्रीय- विश्वविद्यालयस्य शैक्षणिकपरिषदः 29तमायां गोष्ठ्याम् तथा च कार्यकारिणीपरिषदः 52 तमायां गोष्ठ्याम् अनुमोदनम् अभवत् ।
राष्ट्रिय-शिक्षा-नीतिः – 2020 इत्यस्याः संस्तुतीः प्रवर्तयितुम् एते दिशानिर्देशाः क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस अन्तर्गतं प्रस्तुताः सन्ति ।

एकवर्षीयः स्नातकोत्तरकार्यक्रमः

अर्हता- चतुर्वर्षीयः स्नातकोपाधिः

- अस्मिन् कार्यक्रमे शोध/ प्रतिष्ठासहितम् स्नातकोपाधिं धारयन्तः छात्राः प्रवेशाय अर्हाः भविष्यन्ति।
- विश्वविद्यालयः राष्ट्रियशिक्षानीतिः-2020 इत्यस्याः दिशानिर्देशानामनुरूपं एकवर्षीयस्य स्नातकोत्तरकार्यक्रमस्य 2025-2026 शैक्षणिकसत्रादारभ्य प्रस्तावं करिष्यति।
- आशास्यते यत् शोध/प्रतिष्ठासहितस्य स्नातकस्य प्रथमा कक्षा 2024-2025 शैक्षणिकसत्रं यावत् उत्तीर्णा भविष्यति। अतस्तावत् द्विवर्षीयः स्नातकोत्तरकार्यक्रमः प्रचलितो भविष्यति, 2025-2026 शैक्षणिकसत्रादारभ्य च एकवर्षीयः स्नातकोत्तरकार्यक्रमः प्रारब्धो भविष्यति । 2025-2026 शैक्षणिकसत्रादारभ्य च द्वावपि कार्यक्रमौ द्विवर्षीयः एकवर्षीयः स्नातकोत्तरकार्यक्रमश्च प्रस्तावयिष्येते।
- *अस्य कार्यक्रमस्य एकवर्षीयस्य अवधेः कारणात् अत्र बहुविधप्रवेश-निर्गमविकल्पः उपलब्धः न भविष्यति।*

2 वर्षीयः स्नातकोत्तरोपाधिः कार्यक्रमः

पात्रता : 3 वर्षीयः स्नातकोपाधिकार्यक्रमः

- त्रिवर्षीय-स्नातकोपाधिधारकाः विद्यार्थिनः अस्मिन् कार्यक्रमे प्रवेशपात्राणि भविष्यन्ति।
- विश्वविद्यालयः शैक्षणिकसत्रम् 2021-2022तः राष्ट्रियशिक्षानीति-2020 इत्यस्य संस्तुत्यनुरूपं द्विवर्षीयं स्नातकोत्तरोपाधिकार्यक्रमं प्रस्तावितं करिष्यति।
- राष्ट्रियस्तरीयैः संस्थानैः सार्धं सामञ्जस्यार्थं विश्वविद्यालयः 29 जुलाई2021तमायां तिथौ सञ्चरितानां विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोगस्य बहुविधप्रवेश-बहिर्गमनसम्बन्धिदिशानिर्देशानाञ्च पालनं करिष्यति।
- प्रत्येकस्मिन् सत्रे आहत्य श्रेयाङ्काणां संख्या अधिकाधिकं विंशतिः भविष्यति तथा च एतस्य सुदृढतया पालनं विधास्यते । विद्यार्थिनः प्रथमे द्वितीये च सत्रे द्वयोः श्रेयाङ्कयोः अन्तर्वैषयिकं पाठ्यक्रमम् अनिवार्यतया तथा स्वीकरिष्यन्ति यथा यस्मिन् कार्यक्रमे ते पञ्जीकृताः, ततः ते विषयाः पृथक् भिन्नाश्च भवेयुः।

हिमाचलप्रदेश- केन्द्रीय- विश्वविद्यालयस्य शैक्षणिकपरिषदः 29तमायां गोष्ठ्याम् तथा च कार्यकारिणीपरिषदः 52 तमायां गोष्ठ्याम् अनुमोदनम् अभवत्।
राष्ट्रिय-शिक्षा-नीतिः – 2020 इत्यस्याः संस्तुतीः प्रवर्तयितुम् एते दिशानिर्देशाः *क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस अन्तर्गतं प्रस्तुताः सन्ति।*

- स्नातकोत्तरस्तरे भारतीयज्ञानप्रणाल्याः तथा च व्यावसायिककौशलपाठ्यक्रमाणाञ्च एकं बृहत् घटकं प्रस्तोष्यते।

- स्नातकोत्तरस्तरे उपाधिकार्यक्रमेषु सर्वे पाठ्यक्रमाः अनिवार्यतया मिश्रितविधिना इत्युक्ते नवतिप्रतिशतं प्रत्यक्षमाध्यमेन दशप्रतिशतं आभासीयमाध्यमेन पाठयिष्यन्ते।

- विभागस्तरीय-कार्यदलेन पाठ्यमानानां कार्यक्रमाणां सम्पूर्णा संरचना विकसिता करिष्यते । इदं कार्यदलं विभागस्य सर्वेषां शिक्षकाणां साहाय्येन आवश्यकतानुसारेण विभिन्नानां पाठ्यक्रमाणां पाठ्यविवरणं निर्मास्यति।

- व्यावसायिककौशलाधारितेभ्यः पाठ्यक्रमेभ्यः विभागेन/केन्द्रेण प्रथमद्वितीयसत्रयोः पाठ्यक्रमाणाम् एका सूची प्रस्तोष्यते, यस्यां विद्यार्थिभिः स्वेच्छया पाठ्यक्रमाणां चयनं कर्तुं शक्ष्यते। व्यावसायिक-कौशलाधारित-पाठ्यक्रमाणाम् इत्थं निर्माणं करणीयं येन पाठ्यक्रमस्य समाप्तिं यावत् विद्यार्थी स्वसम्बन्धितक्षेत्रे पर्याप्तं कौशलं विकसितं कर्तुं शक्नुयात्। कौशलमूल्याङ्कनं "कौशल-मूल्याङ्कन-परिषद्" द्वारा करिष्यते, अस्याः रचना मान्यैः कुलपतिमहोदयैः विधास्यते।

- भारतीयज्ञानप्रणाल्याः पाठ्यक्रमद्वयस्य क्रमशः प्रथमद्वितीयसत्रयोः प्रारम्भः करिष्यते । प्रथमसत्रे विश्वविद्यालयस्य सर्वेभ्यः स्नातकोत्तरोपाधिकार्यक्रमेभ्यः पाठ्यक्रमः समानः भविष्यति । एषः पाठ्यक्रमः श्रेयाङ्कद्वयस्य भविष्यति। अमुं पाठ्यक्रमं सिद्धं कर्तुं मान्यैः कुलपतिवर्यैः एकस्याः समितेः रचना करिष्यते। सम्बन्धितविभागस्य शिक्षकैः एषः पाठ्यक्रमः पाठयिष्यते।

- द्वितीयसत्रार्थं भारतीयज्ञानप्रणाल्यां द्वितीयः पाठ्यक्रमः संबन्धितविभागैः सज्जीकरिष्यते । एषः पाठ्यक्रमः श्रेयाङ्कद्वयस्य भविष्यति। भारतीयज्ञानप्रणाल्यां द्वाभ्यां पाठ्यक्रमाभ्यां कूटस्य निर्धारणं

- सम्बन्धितविभागैः/केन्द्रैः करिष्यते । एते सर्वे पाठ्यक्रमाः संबन्धितपाठ्यसमितिषु विचारविमर्शार्थं अनुमोदनार्थं च प्रस्तोष्यन्ते।

- संबन्धितशिक्षकेण प्रत्येकस्मिन् सत्रे प्रस्तावितानां सर्वेषां पाठ्यक्रमाणां दश प्रतिशतं पाठ्यसामग्र्यः आभासीयमाध्यमेन पाठनीयाः।

- शिक्षकैः स्वकक्षाशिक्षणसमये संकराधिगमप्रतिदर्शः स्वीकरिष्यते येन दूरस्थानेषु स्थिताः छात्राः अपि तस्मिन् वास्तविकसमये कक्षायाम् उपस्थिताः भवेयुः।

- विश्वविद्यालयस्य विभागैः/केन्द्रैः प्रत्येकस्मिन् सत्रे न्यूनान्न्यूनम् एकः पाठ्यक्रमः "मुक्तशैक्षिकसंसाधन" रूपेण (OER) विकसितः करणीयः यत्र दृश्यश्रव्यमाध्यमेन, लेख्यप्रस्तुत्या

अथवा चित्रात्मकप्रारूपेण च पाठ्यक्रमस्य परिचयः पाठ्यसामग्री, प्रश्नोत्तरीप्रदत्तकार्यञ्च सम्मिलितं भवेत्। एतेन अधिगमवैविध्यं प्रोत्साहितं भविष्यति।

- संकराधिगमप्रतिदर्शरूपेण मुक्तशैक्षिकसंसाधनरूपेण च विकसितान् पाठ्यक्रमान् राष्ट्रियमूल्याङ्कन-प्रत्यायनपरिषदम् (NAAC) उद्दिश्य अपि विश्वविद्यालयः स्वीकृताः सर्वोत्तमाः प्रथाः इति रूपेणापि प्रदर्शयितुं शक्नोति।

- विश्वविद्यालयस्य सर्वे विभागाः/केन्द्राणि प्रत्येकं सत्रे विषयविशिष्टेभ्यः पाठ्यक्रमेभ्यः पृथक् २० श्रेयाङ्काणां **मूल्यवर्धितपाठ्यक्रमाणामपि (VAC)** प्रस्तावं करिष्यन्ति। मूल्यवर्धितपाठ्यक्रमं विभागेन स्वतन्त्ररूपेण अथवा विभागान्तरैः/केन्द्रान्तरैः सह प्रस्तावयितुं शक्यते। एते पाठक्रमाः एकया मिश्ररीत्या (Blended mode) प्रस्तावितः भवेयुः, येषामन्तर्गतं कोऽपि यः कस्मिन्नपि विषये न्यूनतमं स्नातकोपाधिं उत्तीर्णवान्, तस्य नामाङ्कनं कर्तुं शक्यते। एषः पाठ्यक्रमः तेषां विद्यार्थिनां कृतेऽपि उपलप्स्यते ये केन्द्रीयविश्वविद्यालये स्नातकोत्तरोपाधौ पाठरताः सन्ति। एतन्नामाङ्कनाय विद्यार्थिभिः शुल्कः प्रदेयः, यस्य निर्धारणं विश्वविद्यालयेन करिष्यते । विद्यार्थिनो मूल्यवर्धितपाठ्यक्रमे नामाङ्कनतिथितः वर्षद्वयेन पाठ्यक्रमं पूर्णं कुर्युः। अस्य मूल्यवर्धितपाठ्यक्रमस्य सफलतापूर्वकम् उत्तीर्णतानन्तरं विश्वविद्यालयो विद्यार्थिभ्यः प्रमाणपत्रं प्रदास्यति । एतत् प्रमाणपत्रं (त्रैमासिकं) १० श्रेयाङ्काणाम् अथवा (षाण्मासिकं)२० श्रेयाङ्काणां भविष्यति, यस्यार्जनं निर्धारितावधौ विद्यार्थिभिः करिष्यते। केनापि एकेन विभागेन/केन्द्रेण प्रस्तावितो व्यावसायिकः पाठ्यक्रमोऽन्यविभागीयानां विद्यार्थिनां कृते मूल्यवर्धितपाठ्यक्रमरूपेण मान्यो भविष्यति।

- अध्ययनकार्यक्रमस्य समग्रपाठ्यक्रमस्य ५०% तः ६०% पर्यन्तं सिद्धान्तांशाः तथा ४०% तः ५०% पर्यन्तं प्रायोगिकांशाः भविष्यन्ति।

- सम्पूर्णं द्वितीयवर्षं केवलं शोधाय समर्पितं भविष्यति येन विद्यार्थिनः पाठ्यक्रमं पूर्णं कृत्वा साक्षात् विद्यावारिधौ (पी.एच.डी) कार्यक्रमे प्रवेष्टुं शक्नुवन्ति। *(विश्वविद्यालय-अनुदान-आयोग-द्वारा बहुविध प्रवेश-बहिर्गमनदिशानिर्देशाः,पृष्ठम् 11)*

2 वर्षीय: स्नातकोत्तरोपाधि: कार्यक्रम:

पात्रता : 3 वर्षीयः स्नातकोपाधिकार्यक्रमः

सत्रम्	स्वविषयक:/अन्तर्विषयक: मुख्यपाठ्यक्रम:	स्वविषयक:/अन्तर्विषयक: लघुपाठ्यक्रम:	व्यावसायिक:/ कौशलसम्बद्ध:	भारतीयज्ञान-प्रणाली (IKS)	रचना-शोधप्रस्ताव स्य च समीक्षा	शोधनिबन्ध: मौखिकपरीक्षा च	योग:
प्रथमम्	10	04	04	02[+]	0	0	20
द्वितीयम्	12	04	02	02[#]	0	0	20
तृतीयम्	04 वैकल्पिक-विशेषज्ञता-पाठ्यक्रम: *(विभागद्वारा विषयसंबन्धिनी पाठ्यक्रमस्य सूची प्रस्तावित करिष्यते)*	04* (संबन्धितविषये शोध-क्रियाविधि:)	04* (संबन्धित-विषये/क्षेत्रे च उपलब्धम्) मृदुतन्त्राधारितम् आङ्किकं विश्लेषणम्	0	08*	00	20
चतुर्थम्	04 वैकल्पिक-विशेषज्ञता-पाठ्यक्रम: *(विभागद्वारा विषय संबन्धिनी पाठ्यक्रमस्य एका सूची प्रस्तावित करिष्यते)*	02 **सिद्धान्त:** (शैक्षणिक-लेखनम्) 02 **प्रायोगिकम्** (राष्ट्रियस्तरे शोधपत्र-प्रकाशनम्/संगोष्ठी-सम्मेलनादौ प्रस्तुतीकरणम्)	04* विषयाधारितम् आङ्किकं विश्लेषणं व्याख्या च	0	0	08 50% शोधनिबन्ध: 50% प्रस्तुतीकरणम् मौखिकपरीक्षा च	20
कुलयोग:	**30**	**16**	**14**	**04**	**08**	**08**	80

[+] *विश्वविद्यालयस्तरीयसमितिद्वारा विकसित: 02 श्रेयाङ्कयो: पाठ्यक्रम: सर्वपाठ्यक्रमेभ्य: समान: भविष्यति।*

[#] *संबन्धितविभागद्वारा विकसित: 02 श्रेयाङ्कयो: पाठ्यक्रम:।*

* *50% सैद्धान्तिकम् 50% प्रायोगिकश्च।*

एते व्यापकदिशानिर्देशा: सन्ति तथापि विभाग:/केन्द्रं संपूर्णयोजनाया: परिधौ, श्रेयाङ्केषु परिवर्तनं विनैव स्वीयविशिष्टावश्यकतानुसारं परिवर्तनं कर्तुं शक्नोति। कृपया इदं सुनिश्चितं कुर्वन्तु यत् स्नातकोत्तरकार्यक्रमस्य द्वितीयं वर्षं केवलं शोधाय समर्पितं स्यात्।

हिमाचलप्रदेश- केन्द्रीय- विश्वविद्यालयस्य शैक्षणिकपरिषद: 29तमायां गोष्ठ्याम् तथा च कार्यकारिणीपरिषद: 52 तमायां गोष्ठ्याम् अनुमोदनम् अभवत्।
राष्ट्रिय-शिक्षा-नीति: – 2020 इत्यस्या: संस्तुती: प्रवर्तयितुम् एते दिशानिर्देशा: *क्रिएटिव कॉमन्स अट्रीब्यूशन 4.0 अनपोर्टेड लाइसेंस अन्तर्गतं प्रस्तुता: सन्ति।*

स्नातकोत्तरोपाधिकार्यक्रमे (2 वर्ष) प्रवेशस्य बहिर्गमनस्य च विकल्पाः

क्रम सं.	प्रवेश सत्रम्	बहिर्गमन सत्रम्	प्रतिबन्धाः	स्नातकोत्तरः (अनुधिः) उपाधिः
1.	प्रथमम्	द्वितीयम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् द्वितीयसत्रपर्यन्तं प्रस्तावि‍ताः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	स्नातकोत्तरः (अनुधिः)
2.	प्रथमम्	चतुर्थम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् चतुर्थसत्रपर्यन्तं प्रस्तावि‍ताः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	उपाधिः
3.	तृतीयम्	चतुर्थम्	अभ्यर्थिना प्रथमाद् चतुर्थसत्रपर्यन्तं प्रस्तावि‍ताः सर्वे पाठ्यक्रमाः सफलतापूर्वकं समापनीया भविष्यन्ति	उपाधिः

******

माननीयकुलपतिमहोदयद्वारा निम्नलिखितपाठ्यक्रमेभ्यः पाठ्यसामग्रीं दिशानिर्देशान् च सज्जीकर्तुं समितयः संघटयिष्यन्ते -

- भारतीयज्ञानप्रणालीसम्बद्धः **04 श्रेयाङ्काणां स्नातकस्य** एकः पाठ्यक्रमः द्वयोः **श्रेयाङ्कयोः स्नातकोत्तरस्य** च एकः पाठ्यक्रमः / पाठ्यसामग्री
- पर्यावरणीये अध्ययने **04 श्रेयाङ्काणां स्नातकस्य** एकः पाठ्यक्रमः / पाठ्यसामग्री
- स्वच्छभारतप्रशिक्षुतायां **02 श्रेयाङ्कयोः स्नातकस्य** कृते दिशानिर्देशाः / पाठ्यसामग्री
- सांस्कृतिकविनिमयेन सम्बद्धानां **04 श्रेयाङ्काणां स्नातकस्य** कृते दिशानिर्देशाः / पाठ्यसामग्री
- सामुदायिकसम्बद्धतायाः **04 श्रेयाङ्काणां स्नातकस्य** कृते दिशानिर्देशाः / पाठ्यसामग्री
- योगाध्ययनसम्बद्धयोः **02 श्रेयाङ्कयोः स्नातकस्य** कृते दिशानिर्देशाः / पाठ्यसामग्री
- लोकविद्यासम्बद्धयोः **02 श्रेयाङ्कयोः स्नातकस्य** कृते दिशानिर्देशाः / पाठ्यसामग्री

*****

ਪੰਜਾਬੀ

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ
ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ – **176215** (ਹਿ.ਪ੍ਰ)

ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼

ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ – 2020

ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਨੂੰ

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ

ਵਿਚ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ,ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਦੀ ਅਕਾਦਮਿਕ ਕੌਂਸਿਲ ਦੀ 29 ਵੀਂ ਬੈਠਕ ਅਤੇ ਕਾਰਜਕਾਰਨੀ ਕੌਂਸਿਲ ਦੀ 52 ਵੀਂ ਬੈਠਕ ਵਿਚ ਪ੍ਰਵਾਨਿਤ।
ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ – 2020
ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਵਾਲੀ ਸਮਿਤੀ
ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ
ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ (ਹਿ.ਪ੍ਰ)

ਕ੍ਰ.ਅ	ਨਾਮ ਅਤੇ ਅਹੁਦਾ	
1.	ਪ੍ਰੋ.(ਡਾ.) ਸਤਿਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਬੰਸਲ ਮਾਣਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ, ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ,ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ	ਸਰਪ੍ਰਸਤ
2.	ਪ੍ਰੋ.ਮਨੋਜ ਕੁਮਾਰ ਸਕਸੈਨਾ,ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਸਿੱਖਿਆ ਸਕੂਲ	ਚੇਅਰਮੈਨ
3.	ਪ੍ਰੋ.ਭਾਗ ਚੰਦ ਚੌਹਾਨ,ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਭੌਤਿਕ ਅਤੇ ਪਦਾਰਥ ਵਿਗਿਆਨ,ਸਕੂਲ	ਉਪ-ਚੇਅਰਮੈਨ
4*.	ਪ੍ਰੋ.ਮਹਿੰਦਰ ਸਿੰਘ,ਡੀਨ, ਵਣਜ ਅਤੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਅਧਿਐਨ, ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
5.	ਪ੍ਰੋ.ਦੀਪਕ ਪੰਤ,ਡੀਨ, ਧਰਤੀ ਅਤੇ ਵਾਤਾਵਰਣ ਵਿਗਿਆਨ, ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
6.	ਪ੍ਰੋ.ਵਿਸ਼ਾਲ ਸੂਦ,ਡੀਨ ਸਿੱਖਿਆ, ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
7.	ਡਾ.ਕੰਵਰ ਚੰਦਰਦੀਪ ਸਿੰਘ,ਡੀਨ ਮਾਨਵਿਕੀ, ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
8.	ਪ੍ਰੋ.ਪ੍ਰਦੀਪ ਨਯਰ,ਡੀਨ ਪੱਤਰਕਾਰਤਾ,ਜਨ-ਸੰਚਾਰ ਅਤੇ ਨਵ-ਮੀਡੀਆ,ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
9.	ਡਾ.ਬ੍ਰਹਿਸਪਤਿ ਮਿਸ਼ਰ,ਡੀਨ, ਭਾਸ਼ਾ ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
10.	ਪ੍ਰੋ.ਪ੍ਰਦੀਪ ਕੁਮਾਰ,ਡੀਨ, ਜੈਵਿਕ ਵਿਗਿਆਨ,ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
11.	ਪ੍ਰੋ.ਰਕੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ,ਡੀਨ, ਗਣਿਤ,ਕੰਪਿਊਟਰ ਅਤੇ ਸੂਚਨਾ ਵਿਗਿਆਨ,ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
12.	ਡਾ.ਜਗਮੀਤ ਬਾਵਾ,ਡੀਨ, ਪ੍ਰਦਰਸ਼ਨ ਅਤੇ ਦ੍ਰਿਸ਼ ਕਲਾ ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
13.	ਪ੍ਰੋ.ਹੋਮ ਚੰਦ,ਡੀਨ, ਭੌਤਿਕ ਅਤੇ ਪਦਾਰਥ ਵਿਗਿਆਨ,ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
14.	ਪ੍ਰੋ.ਨਾਰਾਇਣ ਸਿੰਘ ਰਾਓ,ਡੀਨ, ਸਮਾਜ ਵਿਗਿਆਨ, ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
15.	ਡਾ.ਸੁਮਨ ਸ਼ਰਮਾ,ਡੀਨ, ਸੈਰ ਸਪਾਟਾ,ਯਾਤਰਾ ਅਤੇ ਮੇਜਬਾਨੀ ਪ੍ਰਬੰਧਨ,ਸਕੂਲ	ਮੈਂਬਰ
16.	ਡਾ.ਓਮ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪਰਾਜਾਪਤੀ,ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਹਿੰਦੀ ਵਿਭਾਗ	ਮੈਂਬਰ
17.	ਡਾ.ਰਕੇਸ਼ ਕੁਮਾਰ,ਸਹਾਇਕ ਪ੍ਰੋਫੈਸਰ, ਜੰਤੂ ਵਿਗਿਆਨ ਵਿਭਾਗ	ਮੈਂਬਰ ਸਚਿਵ

**ਡੀਨ ਸਹਿਬਾਨ ਦੇ ਨਾਮ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਨਾਮ ਅੰਗ੍ਰੇਜੀ ਵਰਣ-ਕ੍ਰਮ ਅਨੁਸਾਰ ਹਨ।*

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ,ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਦੀ ਅਕਾਦਮਿਕ ਕੌਂਸਿਲ ਦੀ 29 ਵੀਂ ਬੈਠਕ ਅਤੇ ਕਾਰਜਕਾਰਨੀ ਕੌਂਸਿਲ ਦੀ 52 ਵੀਂ ਬੈਠਕ ਵਿਚ ਪ੍ਰਵਾਨਿਤ।
ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਨਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

- ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ,ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਇਕ ਖੋਜ-ਪ੍ਰਧਾਨ ਵਿਸ਼ਵਿਦਿਆਲਾ ਹੋਵੇਗਾ,ਜਿਸ ਵਿਚ ਵਿਭਿੰਨ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਨੂੰ ਆਧੁਨਿਕ-ਖੋਜ ਉੱਤੇ ਕੇਂਦਰਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।.
- ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ (ਖੋਜ/ਆਨਰਜ) ਚਾਰ ਸਾਲ ਦਾ ਹੋਵੇਗਾ।
- ਵਿਸ਼ਵਿਦਿਅਲਾ ਦੇ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿਚ ਨਵੇਂ ਦਾਖਲ ਹੋਣ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਲਈ ਸੈਸ਼ਨ: 2021-22 ਤੋਂ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਪੜਾਵਾਂ ਉੱਤੇ ਮਲਟੀਪਲ ਅਤੇ ਐਗਜਿਟ ਪ੍ਰਣਾਲੀਆਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।
- ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਅਨੁਸੰਧਾਨ ਅਯੋਗ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਉੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਸੰਸ਼ਥਾਵਾਂ ਵਿਚ ਮਲਟੀਪਲ ਅਤੇ ਐਗਜਿਟ ਪ੍ਰਣਾਲੀਆਂ ਅਕਾਦਮਿਕ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਲਈ ਲਾਗੂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ।ਜਿਹੜੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਤਿੰਨ ਸਾਲਾ ਬੈਚਲਰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਪੂਰੀਆਂ ਕਰਦੇ ਹੋਣਗੇ ਤੇ ਘੱਟੋ-ਘੱਟ 7.5 CGPA ਹਾਸਿਲ ਕਰ ਲੈਣਗੇ, ਉਹ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਬੈਚਲਰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ (ਖੋਜ ਅਤੇ ਆਰਜ਼) ਦਾ ਚੌਥਾ ਸਾਲ ਪੂਰਾ ਕਰ ਸਕਣਗੇ।
- ਇਹਨਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਕੋਲ ਖੋਜ ਸਹਿਤ ਡਿਗਰੀ ਜਾਂ ਆਨਰਜ਼ ਡਿਗਰੀ ਕਰਨ ਦਾ ਵਿਕਲਪ ਹੋਵੇਗਾ।ਛੇਵੇਂ ਸਮੈਸ਼ਟਰ ਦੇ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਖੋਜ ਸਹਿਤ ਡਿਗਰੀ ਜਾਂ ਆਨਰਜ਼ ਡਿਗਰੀ ਦੀ ਚੌਣ ਕਰ ਸਕਦਾ ਹੈ।
- ਜਿਹੜੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਛੇਵੇਂ ਸਮੈਸ਼ਟਰ ਤੱਕ 7.5 CGPA ਹਾਸਿਲ ਨਹੀਂ ਕਰ ਸਕਣਗੇ।ਉਹ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਛੇਵਾਂ ਸਮੈਸ਼ਟਰ ਪਾਸ ਕਰਨ ਉਪਰੰਤ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਹਾਸਿਲ ਕਰ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤੋਂ ਬਾਹਰ ਹੋ ਜਾਣਗੇ।
- ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ-2020 ਦੀਆਂ ਸ਼ਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਸੈਸਨ-2021-22 ਤੋਂ ਚਾਰ ਸਾਲਾ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਅਤੇ 2025-26 ਤੋਂ ਇਕ ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਪੇਸ਼ ਕਰੇਗਾ।
- ਖੋਜ ਤੇ ਆਨਰਜ਼ ਸਹਿਤ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਬੈਚ 2023-24 ਵਿਚ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।ਇਸ ਨਾਲ ਦੋ ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਵੀ ਜਾਰੀ ਰਹੇਗਾ ਅਤੇ 2025-26 ਤੋਂ ਇਕ ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ।ਇਸ ਤਰਾਂ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਇਕ ਸਾਲਾ ਤੇ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਦੋ ਸਾਲਾ ਸਾਮਾਂਤਰ ਚਲਣਗੇ।
- ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪਧਰ ਦੀਆਂ ਸੰਸਥਾਵਾਂ ਦੇ ਤਾਲਮੇਲ ਲਈ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਮਿਤੀ 29 ਜੁਲਾਈ,2021 ਤੋਂ ਜਾਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਅਨੁਸੰਧਾਨ ਅਯੋਗ ਦੇ ਮਲਟੀਪਲ ਅਤੇ ਐਗਜਿਟ ਪ੍ਰਣਾਲੀਆਂ ਸੰਬੰਧੀ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਕਰੇਗਾ।
- ਹਰ ਸਮੈਸ਼ਟਰ ਵਿਚ ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਦੀ ਸੰਖਿਆ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ 20 ਹੋਵੇਗੀ ਜਿਸ ਦਾ ਸੱਖਤੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।ਪਹਿਲੇ,ਤੀਸਰੇਂ ਅਤੇ ਛੇਵੇਂ ਸਮੈਸਟਰ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ 02 ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਦਾ

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਨਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਅੰਤਰ-ਅਨੁਸ਼ਾਸ਼ਨੀ ਕੋਰਸ ਲੈਣਾ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੋਵੇਗਾ ਇਹ ਵਿਸ਼ਾ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਰਜਿਸਟਰਡ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤੋਂ ਵੱਖਰਾ ਹੋਵੇਗਾ

- ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪਰੰਪਰਾ,ਵੈਵਸਾਇਕ/ਕਲਾਤਕਿਮ ਕੋਰਸ,ਸੱਵਛ ਭਾਰਤ ਇੰਟਰਨਸ਼ਿਪ,ਸਮਾਜ-ਸੰਪਰਕ,ਲੋਕ-ਸਿੱਖਿਆ,ਭਾਰਤੀ ਭਾਸਾਵਾਂ ਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵਟਾਂਦਰਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸਥਾਨ ਹੋਵੇਗਾ।
- ਵਿਭਿੰਨ ਪੜਾਵਾਂ ਤੇ ਮਲਟੀਪਲ ਅਤੇ ਐਗਜਿਟ ਪ੍ਰਣਾਲੀਆਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪਰੰਪਰਾ ਨੂੰ ਸ਼ਾਮਿਲ ਕਰਨ,ਨਿਪੁੰਨਤਾ ਤੇ ਕਲਾਤਮਿਕਤਾ ਨੂੰ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨ ਲਈ ਤੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਵਾਤਾਵਰਣ ਪ੍ਰਤੀ ਸੰਵੇਨਸ਼ੀਲਤਾ ਲਈ ਬੈਚਲਰ ਕੋਰਸਾਂ ਦੇ ਸਲੇਬਸ ਵਿਚ ਬਦਲਾਵ ਕਰਨ ਦੀ ਜਰੂਰਤ ਹੈ।
- ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਦੇ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਮਿਸ਼ਰਿਤ ਢੰਗ ਨਾਲ 90 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਆਫਲਾਈਨ ਤੇ 10 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਆਨਲਾਈਨ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਪੜਾਏ ਜਾਣਗੇ।
- ਵਿਭਾਗੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਸਮੂਹ ਬਣਾਏ ਜਾਣਗੇ ਜੋ ਅਧਿਐਨ ਅਧੀਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਦੀ ਸੰਰਚਨਾ ਤਿਆਰ ਕਰਨਗੇ।ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਸਮੂਹ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਕੋਰਸਾਂ ਦਾ ਸਲੇਬਸ ਤਿਆਰ ਕਰਨਗੇ।
- ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੇ ਪਧਰ ਤੇ ਤਿਆਰ ਕੀਤੇ ਗਏ ਸਲੇਬਸ ਲਈ ਹਰ ਵਿਭਾਗ ਆਪਣਾ ਵੱਖਰਾ ਕੋਰਡ ਵੀ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਕਰੇਗਾ।ਇਹਨਾਂ ਸਲੇਬਸਾਂ ਨੂੰ ਪਾਠ ਅਧਿਐਨ ਸਮਿਤੀ (ਬੋਰਡ ਆਫ ਸਟੱਡੀ) ਦੀ ਪ੍ਰਵਾਨਗੀ ਲਈ ਪੇਸ਼ ਵੀ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।
- ਵੋਕੇਸ਼ਨਲ (ਵੈਵਸਾਇਕ) ਕੋਰਸਾਂ ਲਈ ਵਿਭਾਗ/ਕੇਂਦਰ ਵੱਲੋਂ ਕੋਰਸਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।ਜਿਥੋਂ ਵਿਦਿਅਰਥੀ ਵੱਲੋਂ ਕੋਰਸ ਦੀ ਚੋਣ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।ਸਲੇਬਸ ਇਸ ਤਰਾਂ ਦਾ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇ ਕਿ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇ ਅੰਤ ਤਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਕਲਾਤਿਮਕ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਨਿਪੁੰਨ ਹੋ ਸਕੇ।ਕਲਾਤਮਿਕ ਮੁਲਾਂਕਣ "ਕਲਾਤਮਿਕ ਮੁਲਾਂਕਣ ਸਮਿਤੀ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।ਜਿਸ ਦਾ ਗਠਨ ਮਾਣਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।
- **ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (IKS)** ਦੇ ਦੋ ਕੋਰਸ ਪਹਿਲੇ ਸਮੈਸ਼ਟਰ ਤੇ ਛੇਵੇਂ ਸਮੈਸ਼ਟਰ ਲਈ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ।ਇਸ ਦਾ ਸਲੇਬਸ ਸਾਰੇ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਕੋਰਸਾਂ ਲਈ ਇਕ ਸਮਾਨ ਹੋਵੇਗਾ।ਇਹ ਕੋਰਸ 04 ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਦਾ ਹੋਵੇਗਾ।ਇਸ ਦਾ ਸਲੇਬਸ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਮਾਣਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਇਕ ਸਮਿਤੀ ਗਠਿਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕ ਹੀ ਇਸ ਕੋਰਸ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਾਉਣਗੇ।
- ਛੇਵੇਂ ਸਮੈਸ਼ਟਰ ਵਿਚਲੇ ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਕੋਰਸ ਲਈ ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਭਾਗ ਹੀ ਸਲੇਬਸ ਤਿਆਰ ਕਰੇਗਾ ਅਤੇ ਇਹ 02 ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਦਾ ਹੋਵੇਗਾ।ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੇ ਅਧੀਨ ਹੀ ਯੋਗ
-

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਨਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਅਧਿਐਨ ਦਾ ਇਕ ਹੋਰ ਕੋਰਸ ਏਸੇ ਸਮੈਸ਼ਟਰ ਵਿਚ ਪੜਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।ਇਸ ਦਾ ਸਲੇਬਸ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਮਾਣਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਇਕ ਸਮਿਤੀ ਗਠਿਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।

- ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗਾਂ/ਕੇਂਦਰਾਂ ਦੇ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਵਿਚ ਸਵੱਛ ਭਾਰਤ ਇੰਟਰਨਸ਼ਿਪ ਕੋਰਸ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।ਇਸ ਕੋਰਸ ਅਧੀਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਸੰਵੇਦਨੀਕਰਣ,ਚੇਤਨਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ,ਨੁਕੜ ਨਾਟਕ, ਭਾਸ਼ਣ ਆਦਿ ਕਰਵਾਏ ਜਾਣਗੇ।ਇਸ ਸੰਬੰਧ ਵਿਚ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ ਤੇ ਸਲੇਬਸ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਸਮਿਤੀ ਮਾਣਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਗਠਿਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।
- ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਲਈ **ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵਟਾਂਦਰਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ** ਨੂੰ "ਇਕ **ਭਾਰਤ ਸ੍ਰੇਸ਼ਟ ਭਾਰਤ**" ਦੇ ਅਨੁਰੂਪ *(ਵਿਤੀਆ ਤੇ ਹੋਰ ਸਰੋਤਾਂ ਦੀ ਉਪਲਬਧਤਾ)* ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ।ਜਿਸ ਨਾਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਚੇਤਨਾ ਜਾਗਰੂਪ ਹੋ ਸਕੇ ਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੀ ਆਪਣੇ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਸੰਬੰਧੀ ਸਮਝ ਵਿਕਸਿਤ ਹੋ ਸਕੇ।ਦੇਸ਼ ਦੇ ਉਸ ਖੇਤਰ ਦੇ ਪ੍ਰਮੁਖ ਖੇਤਰੀ ਕਲਾਕਾਰਾਂ,ਸ਼ਿਲਪਕਾਰਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਗਾਂ ਨੂੰ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਏਕੀਕਰਣ,ਖੇਤਰੀ ਪਰੰਪਰਾਵਾਂ, ਰੀਤੀ-ਰਿਵਾਜਾਂ, ਪਰੰਪਰਾਵਾਂ ਤੇ ਪਰੰਪਰਿਕ ਚਰਚਾ ਲਈ ਬੁਲਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਵਿਭਿੰਨ ਭਾਗਾਂ ਦੇ ਸਭਿਆਚਾਰ ਅਤੇ ਰੀਤੀ-ਰਿਵਾਜਾਂ ਤੋਂ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵਟਾਂਦਰਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਅਧੀਨ ਨਿਮਨਲਿਖਤ ਗਤੀਵਿਧੀਆਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਭਾਗਾਂ ਦੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਜਹਬ,ਸਭਿਆਚਾਰ,ਖਾਣ-ਪੀਣ,ਪਰੰਪਰਾਵਾਂ,ਜੀਵਨ ਸ਼ੈਲੀਆਂ,ਸਮਾਜਕ ਰੀਤੀ-ਰਿਵਾਜਾਂ,ਭਗੌਲਿਕ ਤੇ ਰਾਜਨੀਤਕ ਨਕਸ਼ਿਆਂ, ਸੈਨਾ ਤੇ ਸੀਮਾਵਰਤੀ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਜੀਵਨ ਬਾਰੇ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।ਇਸ ਸੰਬੰਧ ਵਿਚ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ ਤੇ ਸਲੇਬਸ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਸਮਿਤੀ ਮਾਣਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਗਠਿਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।
- ਸਮਾਜਕ ਸੰਪਰਕ ਕੋਰਸਾਂ ਅਰਥਾਤ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਤੀਸਰੇ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ ਸਮਾਜਕ ਸੇਵਾਵਾਂ,ਸਿਰਜਨਾਤਮਕ ਚੇਤਨਾ, ਜੀਵਨ ਨਿਪੁੰਨਤਾ ਦੇ ਲਈ 04 ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਅਤੇ ਪੰਜਵੇਂ ਸੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਲੋਕ ਸਿੱਖਿਆ ਦੇ 02 ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਦੇ ਕੋਰਸ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ।ਉਹ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਕੇ ਸਮਾਜ ਦੇ ਸਭ ਕੰਮ ਕਰਨਗੇ।ਇਸ ਨਾਲ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਜੀਵਨ ਕੌਸ਼ਲ ਤੇ ਸੇਵਾ ਕਰਨ ਦੀ ਭਾਵਨਾ ਵਿਕਸਿਤ ਹੋਵੇਗੀ।ਇਸ ਦੇ ਵਿਭਿੰਨ ਮੁਦਿਆਂ ਜਿਵੇਂ ਸਾਫ-ਸਫਾਈ,ਸਿਹਤ,ਡਿਜਿਟਲ ਸਾਖਰਤਾ,ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਜਨਕਲਪਨਾ ਯੋਜਨਾਵਾਂ ਆਦਿ ਦੇ ਬਾਰੇ ਚੇਤਨਾ ਆਵੇਗੀ।ਇਸ ਸੰਬੰਧ ਵਿਚ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ ਤੇ ਸਲੇਬਸ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਸਮਿਤੀ ਮਾਣਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਗਠਿਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ।
- ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੇ ਸ਼ਾਹਪੁਰ ਪਰਿਸਰ ਸਥਿਤ ਵਿਦਿਆਰਥੀ " ਭਾਈਚਾਰਕ ਸੰਪਰਕ ਕੋਰਸ" ਲਈ ਵਿਕਸਿਤ ਭਾਰਤ ਦੇ ਅਧੀਨ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵੱਲੋਂ ਚੁਣੇ ਹੋਏ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਨਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

- ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਤੇ ਦੇਹਰਾ ਪਰਿਸਰਾਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵੱਲੋਂ **ਵਿਕਸਿਤ ਭਾਰਤ ਅਭਿਆਨ** ਦੇ ਅਧੀਨ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਤੇ ਦੇਹਰਾਂ ਪਰਿਸਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਦੋ-ਦੋ ਪਿੰਡਾਂ ਨੂੰ ਗੋਦ ਲਿਆ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਨਾਲ ਇਹਨਾਂ ਪਰਿਸਰਾਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ "ਭਾਈਚਾਰਕ ਸੰਪਰਕ ਕੋਰਸ" ਦੇ ਲਈ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪਿੰਡਾਂ ਵਿਚ ਜਾ ਸਕਣਗੇ। ਜੇ ਜਰੂਰਤ ਹੋਈ ਤਾਂ ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਭਾਗ/ਕੇਂਦਰ ਵੱਲੋਂ ਉਹਨਾਂ ਦੀਆਂ ਆਪਣੀਆਂ ਜਰੂਰਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ "ਭਾਈਚਾਰਕ ਸੰਪਰਕ ਕੋਰਸ" ਅਧੀਨ ਹੋਰ ਪਿੰਡ ਵੀ ਗੋਦ ਲਏ ਜਾ ਸਕਦੇ ਹਨ।
- ਸਾਰੇ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਵਿਚ ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਧਿਐਨ ਕੋਰਸ ਸ਼ੁਰੂ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਦਾ ਸਲੇਬਸ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੇ ਪੱਧਰ ਤੇ ਵਿਕਸਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਸੰਬੰਧੀ ਮਾਣਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਸਮਿਤੀ ਬਣਾਈ ਜਾਵੇਗੀ।
- ਭਾਰਤੀ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਦੇ ਸਲੇਬਸ ਨੂੰ ਭਾਸ਼ਾ ਸਕੂਲ ਵੱਲੋਂ ਆਫਲਾਈਨ ਤੇ ਆਨਲਾਈਨ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਸਕੂਲ ਦੀ ਸਥਿਤੀ ਅਨੁਸਾਰ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।
- ਹਰ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ 10 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਸਲੇਬਸ ਆਧਿਆਪਕ ਵੱਲੋਂ ਆਨਲਾਈਨ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਪੜਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।
- ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਵੱਲੋਂ ਕਲਾਸ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਸਮੇਂ **ਹਾਈਬ੍ਰਡ ਲਰਨਿੰਗ ਮਾਡਲ** ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਸ ਨਾਲ ਦੂਰ-ਦਰਾਡੇ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਵੀ ਸਹਿਜੇ ਨਾਲ ਜੁੜ੍ਹ ਸਕਣਗੇ।
- ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੇ ਵਿਭਾਗਾਂ/ਕੇਂਦਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਹਰ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ ਇਕ ਕੋਰਸ " ਮੁਕਤ ਸਿਖਿਆ ਸਰੋਤ" (OER) ਵਿਕਸਿਤ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਵਿਚ ਵੀਡਿਓ,ਪੀ.ਪੀ.ਟੀ ਤੇ ਪੀਡੀਐਫ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿੱਚ ਸਿੱਖਿਆ ਦੀ ਸਾਮਗ੍ਰੀ, ਪ੍ਰਸ਼ਨ-ਉਤਰ ਹੋਰ ਕਾਰਜ (Assignment) ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਫਲਿਪ ਲਰਨਿੰਗ ਵੀ ਵਿਕਸਿਤ ਹੋਵੇਗੀ।
- ***ਹਾਈਬ੍ਰਡ ਲਰਨਿੰਗ ਮਾਡਲ*** *ਅਤੇ ਓ.ਈ.ਆਰ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਵਿਕਸਿਤ ਕੋਰਸਾਂ ਨੂੰ ਨੈਕ (NAAC) ਲਈ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵੱਲੋਂ ਅਪਣਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਵਿਧੀਆਂ ਵੱਜੋਂ ਵੀ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।*
- ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗਾਂ/ਕੇਂਦਰਾਂ ਦੇ ਹਰ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕੋਰਸਾਂ ਤੋਂ ਇਲਾਵਾ 20 ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਦੇ **ਮੁਲ ਯੁਕਤ ਕੋਰਸ** (VAC) ਪੇਸ਼ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ। **ਮੁਲ ਯੁਕਤ ਕੋਰਸ** (VAC) ਵਿਭਾਗ ਵੱਲੋਂ ਸਵਤੰਤਰ ਤੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਵਿਭਾਗ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਵੀ ਪੇਸ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿੱਚ 12 ਕਲਾਸ ਵਿਚ ਪਾਸ ਕੀਤੇ ਵਿਸ਼ੇ ਵਾਲੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦਾ ਨਾਮ ਦਰਜ਼ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਉਸ ਕੋਲ ਵਿਦਿਆਲਾ ਛੱਡਣ ਦਾ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਕੋਰਸ ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਦੇ ਬੈਚਲਰ ਤੇ ਮਾਸਟਰ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਵੀ ਲੈ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਇਸ ਲਈ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ ਫੀਸ ਦਾ ਭੁਗਤਾਨ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਸ ਦਾ ਫੈਸਲਾ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਕਰੇਗਾ। ਇਸ **ਮੁਲ ਯੁਕਤ ਕੋਰਸ** (VAC) ਦੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋਣ ਤੋਂ

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਨਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਬਾਅਦ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵੱਲੋਂ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ ਦਿੱਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਹ ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ 10 ਕ੍ਰੈਡਿਟ (ਤਿੰਨ ਮਹੀਨਿਆਂ ਲਈ) ਜਾਂ 20 ਕ੍ਰੈਡਿਟ (ਛੇ ਮਹੀਨਿਆਂ ਲਈ) ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਨੂੰ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਸਮਾਂ/ਸੀਮਾ ਵਿਚ ਮੁਕੰਮਲ ਕਰੇਗਾ। ਕਿਸੇ ਇਕ ਵਿਭਾਗ/ਕੇਂਦਰ ਵੱਲੋਂ ਪੇਸ਼ ਵਿਵਸਾਇਕ ਕੋਰਸਾਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਮੁੱਲ ਯੁਕਤ ਕੋਰਸਾਂ ਦੇ ਰੂਪ ਅਨੁਸਾਰ ਮੰਨਿਆ ਜਾਵੇਗਾ।

- 4/2 ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਦੀ ਅੰਤਰ-ਵਿਸ਼ਾ ਵੱਡੇ ਤੇ ਛੋਟੇ ਕੋਰਸਾਂ ਦੀ ਸੂਚੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੇ ਪੱਧਰ ਤੇ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਪਸੰਦ ਅਨੁਸਾਰ ਇਕ ਕੋਰਸ ਚੁਣਨਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਹਨਾਂ ਕੋਰਸਾਂ ਦੇ ਲਈ **ਹਾਈਬ੍ਰਡ ਲਰਨਿੰਗ ਮਾਡਲ** ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਹਨਾਂ ਕੋਰਸਾਂ ਦੇ ਲਈ ਸਮਾਂ 09:30-10:30 (ਸਵੇਰੇ) ਤੇ 01:30-02:30 (ਦੁਪਿਹਰ) ਹੋਵੇਗਾ। ਇਸ ਕੋਰਸ ਲਈ **ਪਹਿਲਾਂ ਆਓ ਪਹਿਲਾਂ ਪਾਓ** ਦੀ ਵਿਧੀ ਅਨੁਸਾਰ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 40 ਹੋਵੇਗੀ। ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਵਿੱਚੋਂ ਵੱਡਾ ਜਾਂ ਛੋਟਾ ਇਕ ਵਿਸ਼ਾ ਲਾਜ਼ਮੀ ਲੈਣਾ ਹੋਵੇਗਾ।
- 4/2 ਕ੍ਰਡਿਟਾਂ ਦੀ ਵਿਸ਼ਾ ਮੁਖ ਅਤੇ ਛੋਟੇ ਕੋਰਸਾਂ ਦੇ ਲਈ ਵਿਭਾਗਾਂ/ਕੇਂਦਰਾਂ ਵੱਲੋਂ ਕੋਰਸ ਦੀ ਸੂਚੀ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੇ ਆਪਣੀ ਪਸੰਦ ਅਨੁਸਾਰ ਕੋਰਸ ਚੁਣਨਾ ਹੋਵੇਗਾ।
- ਕਿਸੇ ਅਧਿਐਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇ ਕੁਲ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਵਿਚੋਂ 50 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਤੋਂ 60 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਤਕ ਸਿਧਾਂਤ ਅਤੇ 40 ਤੋਂ 50 ਪ੍ਰਤੀਸ਼ਤ ਤਕ ਪ੍ਰਯੋਗਿਕ ਵੰਡ ਹੋਵੇਗੀ।

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਨਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਵਿਦਿਅਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਮਲਟੀਪਲ ਅਤੇ ਐਗਜਿਟ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨਿਯਮਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਮਿਲੇਗੀ:

ਬੈਚਲਰ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਲਈ

(4 ਸਾਲਾ–ਖੋਜ ਅਤੇ ਆਨਰਜ਼)

ਕ੍ਰ.ਨ	ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਸਮੈ.	ਬਾਹਰ ਸਮੈ.	ਨਿਯਮ/ਸ਼ਰਤਾਂ	ਸਰਟੀਫਿਕਟ/ਡਿਪਲੋਮਾ/ਡਿਗਰੀ/ ਡਿਗਰੀ– ਖੋਜ ਅਤੇ ਆਨਰਜ਼ ਸਹਿਤ
1.	1st	2nd	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 2nd ਸਮੈਸਟਰ	ਸਰਟੀਫਿਕੇਟ
2.	1st	4th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 4th ਸਮੈਸਟਰ.	ਡਿਪਲੋਮਾ
3.	1st	6th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 6th ਸਮੈਸਟਰ.	ਡਿਗਰੀ
4.	1st	8th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 8th ਸਮੈਸਟਰ.	ਡਿਗਰੀ ਨਾਲ ਖੋਜ ਅਤੇ ਆਨਰਜ਼
5.	3rd	4th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 4th ਸਮੈਸਟਰ	ਡਿਪਲੋਮਾ
6.	3rd	6th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 6th ਸਮੈਸਟਰ.	ਡਿਗਰੀ
7.	3rd	8th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 8th ਸਮੈਸਟਰ.	ਡਿਗਰੀ ਨਾਲ ਖੋਜ ਅਤੇ ਆਨਰਜ਼
8.	5th	6th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 6th ਸਮੈਸਟਰ	ਡਿਗਰੀ
9.	5th	8th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 8th ਸਮੈਸਟਰ.	ਡਿਗਰੀ ਨਾਲ ਖੋਜ ਅਤੇ ਆਨਰਜ਼
10.	7th	8th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੇ ਸਫਲਤਾਪੂਰਵਕ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸ ਪਾਸ ਕਰਨੇ ਹਨ। 1st ਤੋਂ 8th ਸਮੈਸਟਰ	ਡਿਗਰੀ ਨਾਲ ਖੋਜ ਅਤੇ ਆਨਰਜ਼

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਨਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ (4 ਸਾਲਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ) ਖੋਜ-ਸਹਿਤ

ਸਮੈਸਟਰ	ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ/ ਅੰਤਰ-ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਵੱਡਾ ਕੋਰਸ	ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ / ਅੰਤਰ-ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਛੋਟਾ ਕੋਰਸ	ਵਿਵਸਾਇਕ/ ਕਲਾ	ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (IKS)	ਖੋਜ ਦਾ ਆਧੁਨਿਕ ਗਿਆਨ	ਪ੍ਰਯੋਗਸ਼ਾਲਾ/ਖੇਤਰੀ ਕਾਰਜ	ਸਵੱਛ ਭਾਰਤ ਇੰਟਰਨਸ਼ਿਪ	ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵਟਾਂਦਰਾ (ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਏਕੀਕਰਣ)	ਸਮੂਹਿਕ ਭਾਈਚਾਰਕ ਸੰਬੰਧ	ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਧਿਐਨ	ਭਾਰਤੀ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ	ਵਿਸ਼ਾ ਸਿਖਲਾਈ/ ਨਵੀਨਤਾ	ਸਾਹਿਤ ਦਾ ਰਿਵਿਊ/ਖੋਜ ਪ੍ਰਸਤਾਵ	ਖੋਜ-ਕਾਰਜ	ਕੁੱਲ
1st	08	04	02	04	0	02	0	0	0	0	0	0	0	0	**20**
2nd	08	04	04	0	0	02	0	0	0	0	02	0	0	0	**20**
3rd	08	04	02	0	0	02	0	0	04 (ਸਮੁਦਾਇਕ ਸੇਵਾਵਾਂ ਸਿਰਜਣਾਤਮਕ ਚੇਤਨਾ ਜੀਵਨ ਕਲਾਵਾਂ)	0	0	0	0	0	**20**
4th	08	04	02	0	0	0	02	0	0	04	0	0	0	0	**20**
5th	08	02	02	0	0	02	0	0	02 (ਲੋਕ ਵਿਧਾ)	0	0	04	0	0	**20**
6th	08	04	0	02 ਵਿਸ਼ਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ 02 (ਯੋਗ ਅਧਿਐਨ)	0	0	0	04	0	0	0	0	0	0	**20**
7th	04	0	0	0	08	0	0	0	0	0	0	0	04#	04+	**20**
8th	04	0	0	0	08	0	0	0	0	0	0	0	0	08*	**20**
ਕੁਲ	**56**	**22**	**12**	**08**	**16**	**08**	**02**	**04**	**06**	**04**	**02**	**04**	**04**	**12**	**160**

+ *ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਖੋਜ-ਪੱਤਰ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ/ਸੈਮੀਨਾਰ-ਸੰਮੇਲਨਾਂ ਵਿਚ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀ (ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ)*

* *08 ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਵਿਚੋਂ 04 ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਖੋਜ-ਨਿਬੰਧ ਲਈ ਅਤੇ 04 ਕ੍ਰੇਡਿਟ ਪੇਸ਼ਕਾਰੀ ਲਈ ਅਤੇ ਮੌਖਿਕ ਪ੍ਰੀਖਿਆ ਲਈ ਹੋਣਗੇ*

50%ਸਿਧਾਂਤ (ਥਿਊਰੀ) ਅਤੇ 50% ਪ੍ਰਯੋਗਿਕ (ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ)

ਇਹ ਵਿਆਪਕ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਹਨ: ਵਿਭਾਗ/ਕੇਂਦਰ ਸੰਪੂਰਨ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਅਧੀਨ, ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਨੂੰ ਬਿਨਾਂ ਬਦਲੇ ਆਪਣੀ ਜਰੂਰਤ ਅਨੁਸਾਰ ਪਰਿਵਰਤਨ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ (4 ਸਾਲਾ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ)
ਆਨਰਜ਼-ਸਹਿਤ

ਸਾਲ	ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ/ ਅੰਤਰ-ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਵੱਡਾ ਕੋਰਸ	ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ / ਅੰਤਰ-ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਛੋਟਾ ਕੋਰਸ	ਵਿਵਸਾਇਕ/ਕਲਾ	ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (IKS)	ਖੋਜ਼ ਦਾ ਆਧੁਨਿਕ ਗਿਆਨ	ਪ੍ਰਯੋਗਸ਼ਾਲਾ/ ਖੇਤਰੀ ਕਾਰਜ	ਸਵੱਛ ਭਾਰਤ ਇੰਟਰਨਸ਼ਿਪ	ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵਟਾਂਦਰਾ (ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਏਕੀਕਰਣ)	ਸਮੂਹਿਕ ਭਾਈਚਾਰਕ ਸੰਬੰਧ	ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਧਿਐਨ	ਭਾਰਤੀ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ	ਵਿਸ਼ਾ ਸਿਖਲਾਈ/ਨਵੀਨਤਾ	ਕੁੱਲ
1ਲਾ	08	04	02	04	0	02	0	0	0	0	0	0	**20**
2ਰਾ	08	04	04	0	0	02	0	0	0	0	02	0	**20**
3ਰਾ	08	04	02	0	0	02	0	0	04(ਸਮੁਦਾਇਕ ਸੇਵਾਵਾਂ ਸਿਰਜਣਾਤਮਕ ਚੇਤਨਾ ਜੀਵਨ ਕਲਾਵਾਂ)	0	0	0	**20**
4ਥਾ	08	04	02	0	0	0	02	0	0	04	0	0	**20**
5ਵਾ	08	02	02	0	0	02	0	0	02 (ਲੋਕ ਵਿਧਾ)	0	00	04	**20**
6ਠਾ	08	04	0	02 ਵਿਸ਼ਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ 02 (ਯੋਗ ਅਧਿਐਨ)	0	0	0	04	0	0	0	0	**20**
7ਵਾ	04	04	0	0	10*	02	0	0	0	0	0	0	**20**
8ਵਾ	04	02	0	0	08*	02	0	0	0	0	0	04	**20**
ਕੁੱਲ	**56**	**28**	**12**	**08**	**18**	**12**	**02**	**04**	**06**	**04**	**02**	**08**	**160**

*****50% ਸਿਧਾਂਤ (ਥਿਊਰੀ) ਅਤੇ 50% ਪ੍ਰਯੋਗਿਕ (ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ)*

ਇਹ ਵਿਆਪਕ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਹਨ: ਵਿਭਾਗ/ਕੇਂਦਰ ਸੰਪੂਰਨ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਅਧੀਨ,ਕ੍ਰੈਟਿਟਾਂ ਨੂੰ ਬਿਨਾਂ ਬਦਲੇ ਆਪਣੀ ਜਰੂਤ ਅਨੁਸਾਰ ਪਰਿਵਰਤਨ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ।

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਇਕ ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ

ਯੋਗਤਾ: ਚਾਰ ਸਾਲਾ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ

- ਇਸ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਵਿਚ ਦਾਖਲੇ ਦੀ ਯੋਗਤਾ ਖੋਜ ਤੇ ਆਨਰਜ਼ ਸਹਿਤ ਚਾਰ ਸਾਲਾ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਹੋਵੇਗੀ।
- ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ-2020 ਦੀਆਂ ਸ਼ਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ 2025-26 ਤੋਂ ਇਕ ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਪੇਸ਼ ਕਰੇਗਾ।
- ਖੋਜ ਤੇ ਆਨਰਜ਼ ਸਹਿਤ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਦਾ ਪਹਿਲਾ ਬੈਚ 2023-24 ਵਿਚ ਮੁਕੰਮਲ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਨਾਲ ਦੋ ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਵੀ ਜਾਰੀ ਰਹੇਗਾ ਅਤੇ 2025-26 ਤੋਂ ਇਕ ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗ੍ਰਾਮ ਵੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਸ ਤਰਾਂ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਇਕ ਸਾਲਾ ਤੇ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਦੋ ਸਾਲਾ ਸਾਮਾਂਤਰ ਚਲਣਗੇ।
- ਇਕ ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰਗ੍ਰਾਮ ਵਿਚ ਬਹੁ-ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਤੇ ਬਾਹਰ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਉਪਲਬੱਧ ਨਹੀਂ ਹੋਵੇਗੀ। ਕਿਉਂਕਿ ਪ੍ਰਗ੍ਰਾਮ ਇਕ ਸਾਲ ਦਾ ਹੈ।

2 ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ

ਯੋਗਤਾ : 3 ਸਾਲਾ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ

- ਜਿਹੜੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ 3 ਸਾਲਾ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪਾਸ ਹੋਣਗੇ ਉਹ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਵਿਚ ਦਾਖਲਾ ਲੈਣ ਲਈ ਯੋਗ ਹੋਣਗੇ।
- ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਵਿਦਿਅਕ ਸ਼ੈਸ਼ਨ 2021-22 ਤੋਂ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫ਼ਾਰਸਾਂ ਅਨੁਸਾਰ ਦੋ ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਹੋਵੇਗਾ।
- ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪੱਧਰ ਦੇ ਸੰਸਥਾਨਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਤਾਲਮੇਲ ਦੇ ਲਈ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਮਿਤੀ 29 ਜੁਲਾਈ 2021 ਨੂੰ ਜਾਰੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਗ੍ਰਾਂਟ ਕਮੀਸ਼ਨ ਦੇ ਮਲਟੀਪਲ ਐਂਟਰੀ ਤੇ ਐਗਜਿਟ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾ-ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਦੀ ਪਾਲਣਾ ਹੋਵੇਗੀ।
- ਹਰ ਇਕ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ ਕੁਲ ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਦੀ ਗਿਣਤੀ 20 ਹੋਵੇਗੀ ਇਸ ਦਾ ਸ਼ਖਤੀ ਨਾਲ ਪਾਲਣ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਪਹਿਲੇ ਅਤੇ ਦੂਜੇਂ ਸਮੈਸਟਰ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ 02 ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਦਾ ਅੰਤਰ-ਅਨੁਸ਼ਾਸ਼ਨੀ ਕੋਰਸ ਲੈਣਾ ਲਾਜ਼ਮੀ ਹੋਵੇਗਾ ਇਹ ਵਿਸ਼ਾ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਰਜਿਸਟਰਡ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਤੋਂ ਵੱਖਰਾ ਹੋਵੇਗਾ।

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

- ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪੱਧਰ ਤੇ ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਅਤੇ ਵਿਵਸਾਇਕ (ਵਿਕੇਸ਼ਨਲ) ਕਲਾਤਮਕ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮਾਂ ਨੂੰ ਉਚਿਤ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

- ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮਾਂ ਨੂੰ ਲਾਜ਼ਮੀ ਤੋਰ ਤੇ ਮਿਸ਼ਰਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਅਰਥਾਤ 90 ਫ਼ੀਸਦੀ ਆਫ਼-ਲਾਈਨ ਅਤੇ 10 ਫ਼ੀਸਦੀ ਆਨ-ਲਾਈਨ ਮਾਧਿਅਮ ਰਾਹੀਂ ਪੜਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।

- ਵਿਭਾਗ ਪੱਧਰੀ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਸਮੂਹਾਂ ਦੁਆਰਾ ਪੜਾਏ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਕੋਰਸਾਂ ਦੀ ਸੰਪੂਰਨ ਸੰਰਚਨਾ ਵਿਕਸਿਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਇਹ ਕਾਰਜਕਾਰੀ ਸਮੂਹ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਸਾਰੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੀ ਸਹਾਇਤਾ ਨਾਲ ਜ਼ਰੂਰਤ ਅਨੁਸਾਰ ਵਿਭਿੰਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇ ਸਿਲੇਬਸ ਤਿਆਰ ਕਰਨਗੇ।

- ਵਿਵਸਾਇਕ (ਵਿਕੇਸ਼ਨਲ) ਕਲਾ ਅਧਾਰਿਤ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮਾ ਲਈ ਵਿਭਾਗ/ਕੇਂਦਰ ਦੁਆਰਾ ਪਹਿਲੇ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮਾ ਦੀ ਇਕ ਸੂਚੀ ਪੇਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ ਜਿਸ ਵਿਚੋਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੁਆਰਾ ਆਪਣੀ ਪਸੰਦ ਦੇ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮਾ ਦੀ ਚੋਣ ਕੀਤੀ ਜਾ ਸਕੇਗੀ ਵਿਵਸਾਇਕ (ਵਿਕੇਸ਼ਨਲ) ਕਲਾ ਅਧਾਰਿਤ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮਾ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰ੍ਹਾਂ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ਕਿ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮ ਸਮਾਪਿਤ ਹੋਣ ਤਕ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਆਪਣੇ ਸੰਬੰਧਿਤ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਲੋੜੀਂਦੀ ਕਲਾ ਵਿਕਸਿਤ ਕਰ ਸਕਣ। ਕਲਾ ਮੁਲਾਂਕਣ, **ਕਲਾ ਮੁਲਾਂਕਣ ਬੋਰਡ** ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਜਿਸ ਦਾ ਗਠਨ ਮਾਨਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

- ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (IKS) ਦੇ ਦੋ ਕੋਰਸ ਪਹਿਲੇ ਸਮੈਸਟਰ ਅਤੇ ਦੂਜੇ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ ਆਰੰਭ ਕੀਤੇ ਜਾਣਗੇ। ਪਹਿਲੇ ਸ਼ੈਸ਼ਨ ਵਿਚ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ ਦੇ ਸਾਰੇ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾਂ ਲਈ ਸਿਲੇਬਸ ਇਕ ਸਮਾਨ ਹੋਵੇਗਾ। ਇਹ ਕੋਰਸ 02 ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਇਸ ਦੇ ਸਿਲੇਬਸ ਨੂੰ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਮਾਨਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਦੁਆਰਾ ਇਕ ਕਮੇਟੀ ਤਿਆਰ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ। ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਭਾਗ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੁਆਰਾ ਇਹ ਕੋਰਸ ਪੜਾਇਆ ਜਾਵੇਗਾ।

- ਦੂਜੇ ਸਮੈਸਟਰ ਹਿੱਤ ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (IKS) 'ਤੇ ਦੂਜੇ ਸਿਲੇਬਸ ਨੂੰ ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੁਆਰਾ ਤਿਆਰ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਇਹ ਕੋਰਸ 02 ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਦਾ ਹੋਵੇਗਾ। ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (IKS) 'ਤੇ ਦੋਨਾਂ ਕੋਰਸਾਂ ਦੇ ਕੋਡਜ਼ ਦਾ ਨਿਰਧਾਰਨ ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਸਾਰੇ ਸਿਲੇਬਸਾਂ ਨੂੰ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪਾਠ-ਕਮੇਟੀਆਂ ਵਿਚ ਵਿਚਾਰ ਵਟਾਂਦਰੇ ਅਨੁਸਾਰ ਪ੍ਰਸਤੁੱਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ।

- ਸੰਬੰਧਿਤ ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੁਆਰਾ ਹਰ ਇਕ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸਾਂ ਦੀ 10 ਫ਼ੀਸਦੀ ਪਾਠ-ਸਮੱਗਰੀ ਆਨਲਾਈਨ ਮਾਧਿਅਮ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹਾਈ ਜਾਣੀ ਚਾਹੀਦੀ ਹੈ।

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੂਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

- ਅਧਿਆਪਕਾਂ ਦੁਆਰਾ ਆਪਣੇ ਜਮਾਤੀ ਲੈਕਚਰ ਦੌਰਾਨ .ਖਲਗਜਦ :ਕ਼ਗਅਜਅਪ ਝਰਦਕ; ਨੂੰ ਵਰਤਿਆ ਜਾਵੇਗਾ ਤਾਂ ਕਿ ਦੂਰ ਥਾਵਾਂ 'ਤੇ ਬੈਠੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਵੀ ਠੀਕ ਸਮੇਂ ਜਮਾਤ ਵਿਚ ਹਾਜ਼ਰ ਹੋ ਸਕਣਗੇ।

- ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੁਆਰਾ ਹਰੇਕ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ ਘਟੋਂ-ਘੱਟ ਇਕ ਕੋਰਸ ਮੁਕਤ ਸਿੱਖਿਆ ਸ੍ਰੋਤ (OER) ਦੇ ਤੋਰ ਤੇ ਵਿਕਸਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ਜਿਸ ਵਿਚ ਜਾਣ-ਪਛਾਣ ਵੀਡੀਓ ਪੀਪੀਟੀ ਅਤੇ ਪੀਡੀਐੱਫ ਰੂਪ ਵਿਚ ਕੋਰਸ ਪਾਠ ਸਮੱਗਰੀ ਪ੍ਰਸ਼ਨੋਤਰੀ ਅਤੇ ਅਸਾਈਨਮੈਂਟ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। ਇਹਦੇ ਨਾਲ ਖੇਤਰੀ ਸਿੱਖਿਆ ਵਿਚ ਵੀ ਵਾਧਾ ਹੋਵੇਗਾ।

- ਹਾਈਬ੍ਰਡ ਸਿੱਖਿਆ ਮਾਡਲ ਅਤੇ (OER) ਦੇ ਮੁਤਾਬਕ ਵਿਕਸਿਤ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮਾ ਨੂੰ ਨੈਕ (NAAC) ਪ੍ਰਯੋਜਨ ਹਿੱਤ ਵੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੁਆਰਾ ਅਪਣਾਈ ਗਈ ਸਰਬ-ਉਤਮ ਪ੍ਰਥਾ ਦੇ ਤੌਰ ਤੇ ਵੀ ਦਰਸਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

- ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੇ ਸਾਰੇ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੁਆਰਾ ਹਰੇਕ ਸਮੈਸਟਰ ਵਿਚ ਵਿਸ਼ਾ-ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਕੋਰਸਾਂ ਦੇ ਇਲਾਵਾ 20 ਕਰੈਡਟਾਂ ਦੇ **ਮੁੱਲ ਯੁਕਤ ਕੋਰਸ (VAC)** ਵੀ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਕਰਨਗੇ। ਮੁੱਲ ਯੁਕਤ ਕੋਰਸ ਨੂੰ ਵਿਭਾਗ ਦੁਆਰਾ ਸੁਤੰਤਰ ਤੌਰ ਤੇ ਜਾਂ ਹੋਰ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਮਿਲ ਕੇ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਨ੍ਹਾਂ ਕੋਰਸਾਂ ਨੂੰ ਇਕ ਮਿਸ਼ਰਤ ਰੀਤੀ (Blended Model) ਨਾਲ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ ਜਿਸ ਦੇ ਅੰਤਰਗਤ ਕੋਈ ਵੀ ਜਿਨੇ ਕਿਸੇ ਵੀ ਵਿਸ਼ੇ ਚ ਘੱਟੋਂ-ਘੱਟ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪਾਸ ਕੀਤੀ ਹੈ ਉਸ ਦਾ ਨਾਮ ਅੰਕਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਹ ਕੋਰਸ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਲਈ ਵੀ ਉੱਪਲਬਧ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਹੜੇ ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਆਪਣੀ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਦੀ ਪੜ੍ਹਾਈ ਕਰ ਰਹੇ ਹਨ। ਇਸ ਨਾਮਕਰਨ ਹਿੱਤ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਫ਼ੀਸ ਦਾ ਭੁਗਤਾਨ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਸਦਾ ਨਿਰਣਾ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਮੁੱਲ ਯੁਕਤ ਕੋਰਸ ਦੀ ਕਾਰਜ ਰੀਤੀ ਦਾ ਵੀ ਨਿਰਧਾਰਨ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੁਆਰਾ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਮੁੱਲ ਯੁਕਤ ਕੋਰਸ ਵਿਚ ਨਾਮਕਰਨ ਦੀ ਮਿਤੀ ਤੋਂ ਦੋ ਸਾਲਾਂ ਦੇ ਅੰਦਰ ਇਸ ਕੋਰਸ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਦਾ ਵਿਕਲਪ ਹੋਵੇਗਾ। ਉਕਤ ਮੁੱਲ ਯੋਕਤ ਕੋਰਸ ਨੂੰ ਸਫ਼ਲਤਾਪੂਰਵਕ ਪੂਰੇ ਕਰਨ ਬਾਅਦ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਦੁਆਰਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ ਪ੍ਰਮਾਣ ਪੱਤਰ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤਾ ਜਾਵੇਗਾ। ਇਹ ਪ੍ਰਮਾਣ ਪੱਤਰ (ਤਿੰਨ ਮਹੀਨਿਆਂ ਲਈ) 10 ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਅਤੇ (6 ਮਹੀਨਿਆਂ ਲਈ) 20 ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਦਾ ਹੋਵੇਗਾ ਜਿਸਨੂੰ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਦੁਆਰਾ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਕਾਲ-ਖੰਡ ਵਿਚ ਅਰਜਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਣਾ ਹੈ। ਕਿਸੇ ਇਕ ਵਿਭਾਗ/ਕੇਂਦਰ ਦੁਆਰਾ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਕ ਵਿਵਸਾਇਕ ਕੋਰਸ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵਿਭਾਗਾਂ ਦੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੇ ਲਈ ਮੁੱਲ ਯੋਕਤ ਕੋਰਸ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਮੰਨਿਆ ਜਾਵੇਗਾ।

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

- ਕਿਸੇ ਅਧਿਐਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇ ਕੁੱਲ ਕੋਰਸਾਂ ਵਿਚ 50 ਤੋਂ 60 ਫ਼ੀਸਦੀ ਤੱਕ ਸਿਧਾਂਤ ਅਤੇ 40 ਤੋਂ 50 ਫ਼ੀਸਦੀ ਤੱਕ ਪ੍ਰਯੋਗਿਕ (ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ) ਦੇ ਆਧਾਰ ਤੇ ਵਰਗੀਕਰਨ ਹੋਵੇਗਾ।
- ਸੰਪੂਰਨ ਦੂਸਰਾ ਸਾਲ ਕੇਵਲ ਖੋਜ ਨੂੰ ਹੀ ਸਮਰਪਿਤ ਹੋਵੇਗਾ ਤਾਂਕਿ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਇਸ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦੇ ਪੂਰਾ ਹੋਣ ਦੇ ਬਾਅਦ ਸਿੱਧੇ ਪੀਐੱਚ. ਡੀ ਵਿਚ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਕਰ ਸਕਣ। *(ਯੂਜੀਸੀ ਦੁਆਰਾ ਮਲਟੀਪਲ ਐਂਟਰੀ-ਐਗਜ਼ਿਟ ਦਿਸ਼ਾ ਨਿਰਦੇਸ਼, ਪੰਨਾ 11)*

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

2 ਸਾਲਾ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ
ਯੋਗਤਾ : 3 ਸਾਲਾ ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ

ਸਮੈਸਟਰ	ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਅੰਤਰ-ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਵੱਡੇ ਕੋਰਸ	ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਅੰਤਰ-ਅਨੁਸ਼ਾਸਨੀ ਛੋਟੇ ਕੋਰਸ	ਵਿਵਸਾਇਕ ਕਲਾ	ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (IKS)	ਸਾਹਿਤ ਰਿਵਿਊ/ਖੋਜ ਪ੍ਰਸਤਾਵ	ਖੋਜ-ਨਿਬੰਧ ਅਤੇ ਮੌਖਿਕ ਪ੍ਰੀਖਿਆ	ਕੁੱਲ
1st	10	04	04	02+	0	0	20
2nd	12	04	02	02#	0	0	20
3rd	04 ਵਿਕਲਪਿਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਗਤਾ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮ (ਵਿਭਾਗ ਦੁਆਰਾ ਵਿਸ਼ੇ ਸੰਬੰਧੀ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮ ਦੀ ਇਕ ਸੂਚੀ ਪ੍ਰਸਤੁੱਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ)	04* (ਖੋਜ-ਵਿਧੀ)	04* ਸਾਫ਼ਟਵੇਅਰ ਅਧਾਰਿਤ ਆਂਕੜਾ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ (ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਸ਼ੇ /ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਉਪਲਬਧ)	0	08*	00	20
4th	04 ਵਿਕਲਪਿਕ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ਗਤਾ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮ (ਵਿਭਾਗ ਦੁਆਰਾ ਵਿਸ਼ੇ ਸੰਬੰਧੀ ਪਾਠ-ਕ੍ਰਮ ਦੀ ਇਕ ਸੂਚੀ ਪ੍ਰਸਤੁੱਤ ਕੀਤੀ ਜਾਵੇਗੀ)	02 ਸਿਧਾਂਤ (ਥਿਊਰੀ) (ਅਕਾਦਮਿਕ ਲਿਖਤ) 02 ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ (ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਸਤਰ 'ਤੇ ਖੋਜ-ਪੱਤਰ) ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ/ਸੈਮੀਨਾਰ-ਸੰਮੇਲਨ ਵਿਚ ਪ੍ਰਸਤੁੱਤੀਕਰਨ	04* ਵਿਸ਼ਾ ਅਧਾਰਿਤ ਆਂਕੜਾ ਵਿਸ਼ਲੇਸ਼ਣ ਅਤੇ ਵਿਆਖਿਆ	0	0	08 50% ਖੋਜ-ਨਿਬੰਧ 50% ਪ੍ਰਸਤੁੱਤੀਕਰਨ ਅਤੇ ਮੌਖਿਕ ਪ੍ਰੀਖਿਆ	20
ਕੁੱਲ	**30**	**16**	**14**	**04**	**08**	**08**	**80**

+ *ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲੇ ਪੱਧਰ ਦੀ ਸਮਿਤੀ ਦੁਆਰਾ ਵਿਕਸਿਤ 02 ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਕੋਰਸ ਜੋ ਸਾਰੇ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮਾ ਦੇ ਲਈ ਇਕ ਸਮਾਨ ਹੋਵੇਗਾ।*

ਸੰਬੰਧਿਤ ਵਿਭਾਗ ਦੁਆਰਾ ਵਿਕਸਿਤ 02 ਕ੍ਰੈਡਿਟ ਦਾ ਕੋਰਸ

**50%ਸਿਧਾਂਤ (ਥਿਊਰੀ) ਅਤੇ 50% ਪ੍ਰਯੋਗਿਕ (ਪ੍ਰੈਕਟੀਕਲ)*

ਇਹ ਵਿਆਪਕ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ ਹਨ: ਵਿਭਾਗ/ਕੇਂਦਰ ਸੰਪੂਰਨ ਯੋਜਨਾ ਦੇ ਅਧੀਨ,ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ ਨੂੰ ਬਿਨਾਂ ਬਦਲੇ ਆਪਣੀ ਜਰੂਰਤ ਅਨੁਸਾਰ ਪਰਿਵਰਤਨ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ। ਕਿਰਪਾ ਕਰਕੇ ਇਹ ਸੁਨਿਸ਼ਚਿਤ ਕਰੋ ਕਿ ਮਾਸਟਰਸ ਡਿਗਰੀ ਦਾ ਦੂਜਾ ਸਾਲ ਸਿਰਫ ਖੋਜ ਲਈ ਸਮਰਪਿਤ ਹੋਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ,ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਦੀ ਅਕਾਦਮਿਕ ਕੌਂਸਿਲ ਦੀ 29 ਵੀਂ ਬੈਠਕ ਅਤੇ ਕਾਰਜਕਾਰਨੀ ਕੌਂਸਿਲ ਦੀ 52 ਵੀਂ ਬੈਠਕ ਵਿਚ ਪ੍ਰਵਾਨਿਤ।
ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਅਤੇ ਬਾਹਰ ਵਿਕਲਪਾਂ ਅਧੀਨ ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ (2 ਸਾਲ)

ਕ੍ਰ. ਨ	ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਸਮੈ.	ਬਾਹਰ ਸਮੈ.	ਨਿਯਮ/ਸਰਤਾਂ	ਪੀਜੀ ਡਿਪਲੋਮਾ/ ਡਿਗਰੀ
1.	1st	2nd	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ 1 ਤੋਂ 2 ਸਮੈਸਟਰਾਂ ਵਿਚ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸਾਂ ਨੂੰ ਸਫ਼ਲਤਾਪੂਰਵਕ ਪੂਰਾ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ।	ਪੀਜੀ. ਡਿਪਲੋਮਾ
2.	1st	4th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ 1 ਤੋਂ 4 ਸਮੈਸਟਰਾਂ ਵਿਚ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸਾਂ ਨੂੰ ਸਫ਼ਲਤਾਪੂਰਵਕ ਪੂਰਾ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ।	ਡਿਗਰੀ
3.	3rd	4th	ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਨੂੰ 1 ਤੋਂ 4 ਸਮੈਸਟਰਾਂ ਵਿਚ ਪ੍ਰਸਤਾਵਿਤ ਸਾਰੇ ਕੋਰਸਾਂ ਨੂੰ ਸਫ਼ਲਤਾਪੂਰਵਕ ਪੂਰਾ ਕਰਨਾ ਹੋਵੇਗਾ।	ਡਿਗਰੀ

*****

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

ਮਾਨਯੋਗ ਕੁਲਪਤੀ ਜੀ ਦੁਆਰਾ ਨਿਮਨਲਿਖਤ ਕੋਰਸਾਂ ਦੇ ਲਈ ਪਾਠ ਸਮੱਗਰੀ ਅਤੇ ਦਿਸ਼ਾ–ਨਿਰਦੇਸ਼ ਤਿਆਰ ਕਰਨ ਲਈ ਸਮੀਤਿਆਂ ਗਠਿਤ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾਣਗੀਆਂ:

- ਭਾਰਤੀ ਗਿਆਨ ਪ੍ਰਣਾਲੀ (ਜ਼ਾਂਛ) 04 **ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ (ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ)** ਅਤੇ 2 **ਕ੍ਰੈਡਿਟਾਂ (ਮਾਸਟਰ ਡਿਗਰੀ)**
- ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਧਿਐਨ ਕੋਰਸ 04 **ਕ੍ਰੈਡਿਟ (ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ)**
- ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼/ਸਵੱਛ ਭਾਰਤ ਇੰਟਰਨਸਿੱਪ ਕੋਰਸ : 02 **ਕ੍ਰੈਡਿਟ (ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ)**
- ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼/ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਵਟਾਂਦਰਾ ਕੋਰਸ : 04 **ਕ੍ਰੈਡਿਟ (ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ)**
- ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼/ਸਮੁਦਾਇ ਸੰਬੰਧਤਾ ਕੋਰਸ : 04 **ਕ੍ਰੈਡਿਟ (ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ)**
- ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼/ ਯੋਗ ਅਧਿਐਨ ਕੋਰਸ : 02 **ਕ੍ਰੈਡਿਟ (ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ)**
- ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼/ਲੋਕ ਵਿਦਿਆ ਕੋਰਸ : 02 **ਕ੍ਰੈਡਿਟ (ਬੈਚਲਰ ਡਿਗਰੀ)**

*****

ਹਿਮਾਚਲ ਪ੍ਰਦੇਸ ਕੇਂਦਰੀ ਵਿਸ਼ਵਵਿਦਿਆਲਾ ਵਿਚ ਨਵੀਂ ਸਿੱਖਿਆ ਨੀਤੀ 2020 ਦੀਆਂ ਸਿਫਾਰਸ਼ਾਂ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਦੇ ਦਿਸ਼ਾਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ CC-BY-SA ਦੇ ਕਰੀਏਟਵ ਕਾਮਨਜ਼ ਐਟਰੀਬੁਸ਼ਨ 4.0 ਅਣਪੋਰਟਡ ਲਾਇਸੰਸ ਦੇ ਅਧੀਨ ਜ਼ਾਰੀ ਕੀਤੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

GUIDELINES
FOR IMPLEMENTING
THE RECOMMENDATIONS OF
NATIONAL EDUCATION POLICY – 2020
IN
CENTRAL UNIVERSITY OF HIMACHAL PRADESH

हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला की ओर से प्रकाशन ब्यूरो, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला द्वारा प्रकाशित।

On behalf of Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala Published and Printed by Publication Bureau, Central University of Himachal Pradesh, Dharamshala.

धर्मशालास्थितस्य हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य पक्षतःधर्मशालास्थितस्य हिमाचलप्रदेशकेन्द्रीयविश्वविद्यालयस्य प्रकाशनप्रकोष्ठ-द्वारा प्रकाशितः।

ਹਿਮਾਚ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਦੇ ਅਧਾਰ ਤੇ ਹਿਮਾਚ ਪ੍ਰਦੇਸ਼ ਕੇਂਦਰੀ ਯੂਨੀਵਰਸਿਟੀ, ਧਰਮਸ਼ਾਲਾ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ ਬਿਰੋ ਵੱਲੋਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਤੇ ਪ੍ਰਿੰਟ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।